▪ आश्विन कृष्ण - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 62 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 24-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सुर्खियों से दूर भारत के तारणहार साबित होते रहे हैं जडेजा

6 देश की स्त्रियों के मूल अधिकारों की विडंबना

7 फिल्म 'मातृ देवो भव' में नजर आएंगी आम्रपाली दुबे

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु में एक युवक का जनेऊ काटकर फेंका गया

तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)/भाषा। तिरुनेलवेली में मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने 24 वर्षीय एक व्यक्ति का जनेऊ काटकर फेंक दिया और उन्होंने जनेऊ पहनने को लेकर उसका मजाक उड़ाया, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 21 सितंबर की शाम को पलायमकोट्टई में हुई। इस दौरान अखिलेश एक भजन में भाग लेने के लिए ब्राह्मणों द्वारा संचालित स्थानीय आस्तिक समाज की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि अखिलेश जब धोती पहनकर और बिना शर्ट के कार्यक्रम में जा रहे थे तो मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोका और उनका पवित्र धागा (जिसे तमिल में पूनूल कहा जाता है) काटकर फेंक दिया तथा उनका मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह दोबारा पूनूल न पहनें। हिंदू मुन्नानी (आरएसएस से संबद्ध संगठन) के पदाधिकारियों के साथ आस्तिक समाज के पदाधिकारियों ने 21 सितंबर की रात को पेरुमलपुरम पुलिस (पलायमकोट्टई) में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

एसबीआई इस साल 18 लाख पेड़ लगाएगा

नई दिल्ली/भाषा। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस साल 18 लाख पेड़ लगाने की योजना बनाई है। पर्यावरण को बेहतर करने के लिए अपने योगदान के तहत एसबीआई यह कदम उठा रहा है। इसी पहल के तहत एसबीआई ने हैदराबाद में वृक्षारोपण अभियान – 'एक पेड़ मां के नाम' की शुरुआत की। एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने स्थिरता में बैंक के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बैंक इस साल 18 लाख पेड़ लगाएगा।

अंतरिक्ष स्टेशन से दो रूसी और एक अमेरिकी नागरिक को लेकर कैप्सूल पृथ्वी पर लौटा

मॉस्को/एपी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से दो रूसी और एक अमेरिकी नागरिक को लेकर सोयूज कैप्सूल सोमवार को कजाकिस्तान में उतरा। इसके साथ ही रूस के दोनों अंतरिक्ष यात्रियों का लंबा प्रवास समाप्त हो गया। आईएसएस से अलग होने के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद कैप्सूल कजाकिस्तान के मैदान पर उतरा। ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब अंतरिक्ष स्टेशन पर 374 दिन बिताने के बाद वापस लौटे, जो वहां उनका सबसे लंबा निरंतर प्रवास था।

24-09-2024 सूर्यास्त 6:03 बजे
25-09-2024 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
84,928.61	25,939.05
(+384.30)	(+148.10)

सोना	चांदी
7,848 रु.	98,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय भ्रष्ट देवा

भ्रष्टों तुम खूब फलो-फूलो,
है लोकतंत्र की बलिहारी।
सत्ता पर हो जाओ काबिज,
बन करके सब पर भारी।
कानून तुम्हारी मुट्ठी में,
हो अल्प सजा के व्यवहारी।
मरने तक तारीखें बदलो,
तुम मजे करो बन अवतारी।।

उच्चतम न्यायालय ने 'ऐतिहासिक फैसले' में कहा

चाइल्ड पोर्नोग्राफी रखना और देखना अपराध

- बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून के अलावा सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत अपराध माना जाएगा।
- संसद को ऐसे अपराधों की वास्तविकता को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से 'बाल पोर्नोग्राफ़ी' शब्दावली को 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' शब्दावली से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से पोक्सो में संशोधन लाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक 'ऐतिहासिक फैसले' में कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध माना जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पादीवाला की पीठ ने गैर सरकारी संगठन 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायंस' की अपील और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हस्तक्षेप पर इस विषय में मद्रास उच्च न्यायालय के एक फैसले को पलटते हुए नये दिशा निर्देश जारी किए हैं।

पीठ ने कहा कि बच्चों के साथ यौन-क्रिया के स्पष्ट चित्रण और उनसे संबंधित अपमानजनक सामग्री को रखना या देखना अपराध यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून के अलावा सूचना एवं तकनीकी कानून के तहत अपराध माना जाएगा।

पीठ ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को 'बाल पोर्नोग्राफी' शब्द की जगह संशोधित शब्दावली- 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' रखने के लिए जरूरी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए हैं।

पीठ ने कहा है, संसद को ऐसे अपराधों की वास्तविकता को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से 'बाल पोर्नोग्राफ़ी' शब्दावली को 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' शब्दावली से प्रतिस्थापित करने के उद्देश्य से पोक्सो में संशोधन लाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि इस संशोधन के लिए फिलहाल सरकार अध्यादेश जारी कर सकती है।

शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही देश में यौन शिक्षा कार्यक्रमों को व्यापक रूप लागू करने का भी सुझाव दिया, जिसमें नाबालिगों के साथ रतिक्रिया के चित्रण के कानूनी और नैतिक नतीजों की भी जानकारी शामिल की जाए।

पीठ को उम्मीद है कि इससे संभावित अपराधों को रोकने में मदद मिल सकती है।

राज्यपाल के आदेश के विरुद्ध सिद्दरामय्या की याचिका पर आज फैसला सुनाएगा उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस याचिका पर अपना आदेश सुनाएगा, जिसमें मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ अभियोग चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई है।

उच्च न्यायालय ने 12 सितंबर को मामले में अपनी सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की एकल पीठ इस मामले में मंगलवार को अपना आदेश सुनाएगी। राज्यपाल ने प्रदीप कुमार एस.पी., टी.जे. अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी।

सिद्दरामय्या ने 19 अगस्त को राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। राज्यपाल के आदेश को रद्द करने का अनुरोध करते हुए याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश बिना सोचे-समझे जारी किया गया और यह वैधानिक नियमों का उल्लंघन है।

इजराइल की सेना ने लेबनान में 300 ठिकानों पर हमला किया

लेबनान ने इन हमलों में 100 लोग मारे जाने का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने हिजबुल्ला आतंकवादी समूह के खिलाफ दबाव बढ़ाते हुए लेबनान में 300 ठिकानों पर हमला किया है। वहीं, लेबनान ने दावा किया कि इन हमलों में 100 लोग मारे गए हैं। इजराइल की सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में तस्वीर जारी करते हुए घोषणा की कि सैन्य प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी, तेल अवीव स्थित सैन्य मुख्यालय से अतिरिक्त हमलों को मंजूरी दे रहे हैं।

हिजबुल्ला के खिलाफ पिछले एक साल से चल रही लड़ाई में यह सबसे घातक हवाई हमलों में से एक है। हलेवी और दूसरे इजराइली नेताओं ने आने वाले दिनों में हिजबुल्ला के खिलाफ और भी कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया है।

जब इजराइल हमले कर रहा था, तब इजराइली अधिकारियों ने उत्तरी इजराइल में हवाई हमले के सायरन बजने की सूचना दी, जिसमें लेबनान की ओर से रॉकेट हमला किए जाने की चेतावनी दी गई थी।

इजराइल ने सोमवार को दक्षिण लेबनान के निवासियों से अपील की थी कि वे अपने घरों को खाली करके चले जाएं। इजराइल ने दावा किया कि हिजबुल्ला ने वहां हथियार जमा कर रखे हैं और उसने भयावह हमलों की चेतावनी दी है।

उधर, लेबनान के अधिकारियों ने कहा कि इजराइल के हवाई हमलों में 100 लोग मारे गए हैं।

पश्चिम एशिया में और अधिक सैनिक भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन/एपी। लेबनान में इजराइल और हिजबुल्ला बलों के बीच बढ़ते संघर्ष के मद्देनजर अमेरिका पश्चिम एशिया में अतिरिक्त सैनिक भेज रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के और भड़कने का खतरा बढ़ गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। पेंटागन (रक्षा मंत्रालय) के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि कितने अतिरिक्त सैनिक भेजे जाएंगे या उन्हें क्या काम सौंपा जाएगा।

ईरान ने पश्चिम एशिया में व्यापक युद्ध भड़काने का लगाया आरोप

संयुक्त राष्ट्र/एपी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इजराइल पर मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध भड़काने और उनके देश को संघर्ष में घसीटने के लिए जाल बिछाने का आरोप लगाया। मसूद पेजेशकियान ने मीडिया को बताया कि ईरान नहीं चाहता कि गाजा में मौजूदा युद्ध और इजराइल-लेबनान सीमा पर हवाई हमले बढ़े। उन्होंने कहा कि जबकि इजराइल इस बात पर जोर देता है कि वह व्यापक युद्ध नहीं चाहता है, वह ऐसी कार्रवाई कर रहा है जो इसके विपरीत दर्शाती है। पेजेशकियान ने पिछले सप्ताह लेबनान में पेजर, वॉकी-टॉकी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के घातक विस्फोटों की ओर इशारा किया, जिसके लिए आरोप उन्होंने इजराइल पर लगाया। उन्होंने साथ ही हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनीयेह की उनके शपथग्रहण से पहले तेहरान में हत्या का उल्लेख भी किया।

मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में निहित है, युद्ध के मैदान में नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन में कहा कि मानवता की सफलता युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति में निहित है।

'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय विश्व के भविष्य पर चर्चा कर रहा है, तो सर्वोच्च प्राथमिकता ''मानव-केंद्रित दृष्टिकोण'' को दी जानी चाहिए। उन्होंने किसी विशेष संघर्ष का नाम लिए बिना कहा, ''मानवता की सफलता हमारी सामूहिक शक्ति में निहित है, युद्ध के मैदान में नहीं।''

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ विकास को प्राथमिकता देते हुए मानव कल्याण, खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''भारत में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर हमने यह प्रदर्शित किया है कि टिकाऊ विकास सफल हो सकता है।'' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत अपनी सफलता के इस अनुभव को पूरे 'ग्लोबल साउथ' के साथ साझा करने के लिए तैयार है। आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों को संदर्भित करने के लिए 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल होता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह और फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ उनकी बातचीत बहुत ही सार्थक रही और उन्होंने फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण, तकनीक, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कुवैत के क्राउन प्रिंस, महामहिम शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह के साथ बातचीत बहुत ही सकारात्मक रही।

मोदी ने वैश्विक संस्थाओं में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि ये वैश्विक शांति और विकास के लिए आवश्यक हैं।

आरजी कर मामला

तृणमूल विधायक, डॉक्टर से सीबीआई की सात घंटे तक पूछताछ

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने स्थानीय आर जी कर कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार एवं हत्या की जांच के सिलसिले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष से करीब सात घंटों तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने अस्पताल के फोरेंसिक विभाग में डॉक्टर-प्रोफेसर अपूर्ब बिस्वास से भी इसी मामले के सिलसिले में पूछताछ की। पानीहाटी से तृणमूल कांग्रेस के विधायक घोष सुबह करीब साढ़े 10 बजे साल्टलेक स्थित सीबीआई के सीजीओ कॉम्प्लेक्स कार्यालय पहुंचे। घोष ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे जांच अधिकारियों को कुछ बातें बतानी थीं और उन्हें भी मुझसे कुछ बातें जाननी थीं। मैं विधायक के तौर पर आरजी कर अस्पताल में था। वह मेरे विधानसभा क्षेत्र की डॉक्टर थी। मैं चाहता हूं कि अपराधियों को फांसी की सजा मिले।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा

धर्मनिरपेक्षता 'यूरोपीय अवधारणा है, भारतीय नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा है कि धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है, जो चर्च और राजा के बीच संघर्ष के बाद विकसित हुई, जबकि भारत एक धर्म-केंद्रित राष्ट्र है और इसलिए यह संविधान का हिस्सा नहीं था, बल्कि इसे आपातकाल के दौरान 'एक असुरक्षित प्रधानमंत्री' द्वारा जोड़ा गया था। उन्होंने रविवार को कन्याकुमारी जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लोगों के साथ बहुत धोखाधड़ी की गई है और उनमें से एक धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या है। उन्होंने कहा, ''धर्मनिरपेक्षता से क्या आशय है। धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय अवधारणा नहीं है।''

राज्यपाल ने आरोप लगाया कि दशकों बाद आपातकाल (1975-77) के दौरान, 'एक असुरक्षित प्रधानमंत्री' ने लोगों के कुछ वर्गों को खुश करने के लिए संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान किया। आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने आगे कहा कि यूरोप में धर्मनिरपेक्षता का उदय तब हुआ, जब चर्च और राजा के बीच लड़ाई हुई और लंबे समय तक चले इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए इस अवधारणा का विकास किया गया।

संविधान सभा की चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वहां इस बात पर विचार-विमर्श किया गया था कि भारत धर्म का देश है। उन्होंने कहा, धर्म से टकराव कैसे हो सकता है? भारत धर्म से दूर कैसे हो सकता है? ऐसा हो ही नहीं सकता!

तिरुपति लड्डू विवाद:

अदालत की निगरानी में जांच के अनुरोध के साथ स्वामी पहुंचे न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने तिरुपति लड्डू बनाने में पशुओं की चर्बी के कथित इस्तेमाल की जांच अदालत की निगरानी में किये जाने के अनुरोध के साथ सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

भाजपा नेता ने न्यायालय से अनुरोध किया कि वह आंध्र प्रदेश सरकार को लड्डू बनाने में इस्तेमाल किए गए घी के स्रोत और नमूने पर एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दे। स्वामी ने न्यायालय से यह भी आग्रह किया कि वह संबंधित अधिकारियों से विस्तृत फोरेंसिक रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए अंतरिम निर्देश जारी करे।

याचिका में कहा गया है, ''प्रसाद बनाने में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति करने वाले आपूर्तिकर्ताओं की गुणवत्ता या उसकी कमी की निगरानी और सत्यापन के लिए आंतरिक रूप से अंकुश होना चाहिए था।''

स्वामी ने अपनी याचिका के बारे में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट भी किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज मैंने एक जनहित याचिका दायर कर उच्चतम न्यायालय से मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के निराधार आरोपों की जांच के निर्देश देने की मांग की है। नायडू ने आरोप लगाया है कि तिरुपति तिरुमाला मंदिर के प्रसाद में जानवरों के मांस और अन्य सड़े हुए पदार्थों की मिलावट की गई है, जिससे भक्तों में अफरा-तफरी मच गई है।

आतिशी ने दिल्ली के आठवें मुख्यमंत्री का प्रभार संभाला, केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठीं

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने सोमवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री का प्रभार संभाला और कहा कि वह उसी तरह काम करेंगी, जैसे भरत ने अपने बड़े भाई भगवान राम की 'खड़ाऊं' को अयोध्या के सिंहासन पर रखकर काम किया था।

वह मुख्यमंत्री कार्यालय में केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठीं और उन्होंने कहा कि केजरीवाल की कुर्सी खाली रहेगी। वह केजरीवाल की कुर्सी के बगल में रखी सफेद रंग की एक अन्य कुर्सी पर बैठीं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी की आलोचना करते हुए कहा कि यह मुख्यमंत्री के पद का ''अपमान'' है।

शंकरपुरम एवं आस पास के समस्त जैन परिवारों का

शंकरपुरम संघ का सामूहिक क्षमापना और स्नेह मिलन सम्पन्न

कार्यक्रम में मंदिर निर्माण व प्रतिष्ठा महोत्सव की जानकारी दी ➔ आदिनाथ महिला व युवा मंडल का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट द्वारा प्रिंसेस श्राइन सभागार में सामूहिक क्षमापना और स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें शंकरपुरम और उसके आसपास के 1500 से अधिक जैन परिवारों ने भाग लिया। ट्रस्ट मंडल के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुरुआत की गई। संघ के मुकेश पुनमिया ने सभी का स्वागत किया तथा आयोजन के उद्देश्य की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन पारस भंडारी ने किया। उन्होंने उपस्थितजनों को गतिविधियों से अवगत कराया। भोजन व्यवस्था महेंद्र छाजेड और शांतिलाल श्रीश्रीमाल ने संभाली। इस मौके पर मुख्य आकर्षण सामूहिक क्षमापना समारोह में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे से क्षमा मांगी।

पारस जैन द्वारा वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से मार्च माह में होने वाली केसरिया आदिनाथ के प्रतिष्ठा महोत्सव और नए मंदिर निर्माण की जानकारी साझा की गई। इससे सभी को निर्माण प्रक्रिया और प्रतिष्ठा महोत्सव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। नए ट्रस्टियों की घोषणा की गई तथा साथ ही भवन की योजना और कई लाभार्थियों की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम के दौरान नए ट्रस्टियों, भवन लाभार्थियों और स्नेहमिलन के विशेष लाभार्थियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में संदीप खांटेड, अनूप श्रीश्रीमाल एवं युवा मंडल के कई सदस्यों ने पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली।

मनोरंजन और समापन कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी ने भोजन का आनंद लिया। इसके बाद हितेश मेहता और उनकी टीम द्वारा म्यूजिकल गेम्स और लकी ड्रा का आयोजन हुआ, जिसमें 60 से अधिक छोटे-बड़े पुरस्कार दिए गए। गणपत छाजेड ने उपस्थितजनों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। मंडल का गठन और समुदाय का सहयोग कार्यक्रम के दौरान केसरिया आदिनाथ युवा मंडल और महिला मंडल का भी गठन किया गया। नए सदस्यों ने इस मंडल से जुड़कर संघ और समाज के कार्यों में अपनी सेवा देने की शपथ ली। यह आयोजन जैन समुदाय के बीच आपसी एकजुटता को और मजबूत करने वाला साबित हुआ। आयोजन में आदिनाथ श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट और युवा मंडल का विशेष सहयोग रहा।

‘अभी कोयला आधारित बिजली परियोजनाओं की जरूरत’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि हरित बिजली की आपूर्ति मांग के अनुरूप होने तक नई तापीय बिजली परियोजनाओं की स्थापना जारी रखने की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कोयला आधारित बिजली क्षमताओं की स्थापना को कम करने पर कोई भी निर्णय 2030 के बाद ही लिया जा सकता है।

बिजली मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन की उपलब्धियों की जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

लाल ने कहा, ‘‘जब तक नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं हो जाती, तब तक देश में तापीय बिजलीघरों की क्षमता बढ़ाना और इसकी स्थापना को धीरे-धीरे कम करना आवश्यक

जान पड़ता है। लेकिन 2030-35 तक हमें तापीय बिजली परियोजनाओं को आगे बढ़ाना होगा।’’ सरकार 2031-32 तक 80 गीगावाट अतिरिक्त कोयला आधारित क्षमता स्थापित करने पर विचार कर रही है।

बिजली सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि मौजूदा सरकार के 100 दिनों में 12,800 मेगावाट यानी 12.8 गीगावाट क्षमता की परियोजनाएं आवंटित की गयी हैं। जबकि 28 गीगावाट क्षमता पर काम जारी है। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय बिजली योजना 2023-32 अगले 15 दिन में पेश की जाएगी।

योजना के तहत 2030 तक 425 गीगावाट और 2032 तक 458 गीगावाट अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए खाका तैयार किया गया है। इसमें पारेषण नेटवर्क को बढ़ाकर 2032 तक 6.48 लाख सीकेएम (सर्किट किलोमीटर) किया जाएगा जो अभी 4.85 लाख सीकेएम है।

लाल ने कहा कि देश में 184 गीगावाट पंप भंडारण परियोजनाओं (पीएसपी) की क्षमता है। लगभग 4.7 गीगावाट पहले ही स्थापित किया जा चुका है, 6.47 गीगावाट क्षमता की परियोजनाएं निर्माणाधीन है और 60 गीगावाट की परियोजनाएं सर्वेक्षण और जांच प्रक्रिया में है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में 2030 तक एक लाख ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) चार्जिंग स्टेशन होंगे। सरकार ने पूर्वोत्तर में जलविद्युत परियोजनाओं के लिए 750 करोड़ रुपए तक अनुदान देने का भी निर्णय लिया है। पिछले सौ दिनों में 50.9 गीगावाट क्षमता की पारेषण योजनाओं को मंजूरी दी गई है। स्वीकृत परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 60,676 करोड़ रुपए है।

मुंबई की लोकल ट्रेन में 20 लाख रुपए से भरा बैग मिला

मुंबई/भाषा। मुंबई में एक लोकल ट्रेन के कोच में एक लावारिस बैग मिला है, जिसमें 20 लाख रुपए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात 10 बजे कुछ यात्रियों ने आसनगांव-सीएसएमटी लोकल ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में एक लावारिस बैग पड़ा देखा। उन्होंने कहा कि ट्रेन में सवार एक महिला ने अन्य लोगों से कल्याण स्टेशन पर उतरते समय रेलवे पुलिस को सूचित करने को कहा, जिसके बाद कल्याण जीआरपी थाने में बैग पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बैग की जांच करने के लिए मानक प्रोटोकॉल का पालन किया। उन्होंने बताया कि बैग के अंदर 500 रुपए के नोटों की सात गड्डियां, मिठाई का एक डिब्बा और दवाइयां देखकर वे दंग रह गए। पुलिस ने बैग के असली मालिक का पता लगाने के लिए तलाश शुरू कर दी है।

तेलुगू अभिनेता महेश बाबू ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री को बाढ़ राहत के लिए 50 लाख रु. का चेक सौंपा

हैदराबाद/भाषा। तेलुगू अभिनेता महेश बाबू ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को राज्य में हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 50 लाख रुपए का चेक सौंपा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि महेश बाबू ने यहां रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की और मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया। महेश बाबू के साथ उनकी पत्नी और पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर भी थीं। अभिनेता ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘दोनों तेलुगू राज्यों में आई बाढ़ को देखते हुए, मैं आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपए दान देने का संकल्प ले रहा हूं।’’

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक महिला नक्सली समेत तीन नक्सली ढेर

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली समेत तीन नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली समेत तीन नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों की टीम जब क्षेत्र में थी तब आज शाम चार बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से तीन नक्सलियों के शव, एके-47 राइफल समेत अन्य हथियार बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबल के सभी जवान सुरक्षित हैं। क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

अजित पवार को लेकर शरद पवार ने कहा

परिवार के रूप में हम साथ-साथ हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने सोमवार को कहा कि वह और उनके भतीजे अजित पवार परिवार के रूप में साथ-साथ हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अजित एक अलग राजनीतिक दल का नेतृत्व कर रहे हैं।

शरद पवार ने तटीय कोंकण क्षेत्र के चिपलून में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, घरत तारि एकत्रच आहेत (कम से कम घर में हम एक साथ हैं)।

वह राज्य के विभिन्न वर्गों की इस मांग से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि चाचा-भतीजे की जोड़ी को एक बार फिर साथ आना चाहिए।

अजित पवार ने पिछले साल जुलाई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से बगावत की थी तथा एकनाथ शिंदे नीत महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यंत्री के रूप में शामिल हो गए थे। हाल के समय में उनके सत्तारूढ़ गठबंधन में बने रहने को लेकर तरह-

तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

अजित पवार की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि उनका अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती में चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ाने का फैसला गलत था, शरद पवार ने कहा, वह एक अलग पार्टी में हैं। हम किसी अन्य पार्टी के फैसलों पर टिप्पणी क्यों करें?

विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के मुख्यमंत्री पद के चेहरे से जुड़े सवाल पर शरद पवार ने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिलहाल यह कोई जरूरी मुद्दा है। एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार (राकांपा-एसपी), कांग्रेस और शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) शामिल हैं। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा कि आपातकाल के बाद जब चुनाव हुए तो मतदान से पहले प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में मोरारजी देसाई के नाम का खुलासा नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, हमारा (एमवीए का) प्रयास समाजवादी पार्टी (सपा) और पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी जैसी अन्य पार्टियों की मदद से महाराष्ट्र में एक प्रगतिशील सरकार का विकल्प देना है। शरद पवार ने कहा, हमने महसूस किया है कि महाराष्ट्र के लोगों ने आगामी चुनाव में हमें (एमवीए) मौका देने का मन बना लिया है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि तिरुपति मंदिर में प्रसाद के लड्डु बनाने के लिए खराब गुणवत्ता वाले घी का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें जानवरों की चर्बी मिली हुई थी, शरद पवार ने कहा, अगर कुछ मिलाया गया था तो यह बहुत गलत है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

संविधान, मुख्यमंत्री पद का घोर अपमानः आतिशी के कुर्सी खाली छोड़ने पर भाजपा, कांग्रेस ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा और कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री आतिशी पर उनके पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठने के फैसले को लेकर हमला बोला और कहा कि उनका यह कदम संवैधानिक नियमों और मुख्यमंत्री पद का ‘‘घोर अपमान’’ है।

आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने सोमवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री का प्रभार संभाला और कहा कि वह उसी तरह काम करेंगी, जैसे भरत ने अपने बड़े भाई भगवान राम की ‘खड़ाऊं’ को अयोध्या के सिंहासन पर रखकर काम किया था। वह मुख्यमंत्री कार्यालय में केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठीं और उन्होंने कहा कि केजरीवाल की कुर्सी खाली रहेगी। वह केजरीवाल की कुर्सी के बगल में रखी सफेद रंग की एक अन्य कुर्सी पर बैठीं। भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी की आलोचना करते हुए कहा कि यह मुख्यमंत्री के पद का ‘‘अपमान’’ है।

भाजपा नेता ने कहा, ‘‘उन्होंने (आतिशी) जो किया है वह आदर्श नहीं है। अपने आचरण से उन्होंने न केवल मुख्यमंत्री पद का अपमान किया बल्कि दिल्ली के लोगों की भावनाएं भी आहत की हैं। अरविंद केजरीवाल को जवाब देना चाहिए कि क्या वह ‘रिमोट कंट्रोल’ से सरकार चलाएंगे।’’

कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि केजरीवाल की कुर्सी खाली रखने के अपने कदम से आतिशी ने खुद को एक ‘कठपुतली’ मुख्यमंत्री साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, ‘‘मुझे इस बात पर सख्त आपत्ति है कि भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद रहे एक व्यक्ति की तुलना भगवान राम से की जा रही है। आतिशी ने सारी हदें पार कर दी हैं और खुद को एक ‘कठपुतली’ मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया है।’’ उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बार फिर संविधान का अपमान किया है और साबित कर दिया है कि आतिशी ‘‘कठपुतली’’ मुख्यमंत्री हैं।

पुणे हवाई अड्डे का नाम जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन करने को मंजूरी

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने पुणे हवाई अड्डे का नाम जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज पुणे अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन करने के प्रस्ताव को सोमवार को मंजूरी दे दी। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया और प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा।

राज्य मंत्रिमंडल ने हवाई अड्डे का नाम बदलने के केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मोहोल पुणे से ही हैं। मोहोल ने भाजपा, शिवसेना और राकांपा की महायुति सरकार को निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, ‘‘धन्यवाद महायुति सरकार। धन्यवाद देवेंद्र (फडणवीस) जी। पुणे में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज विमानपत्तन करने के लिए आज पहला कदम उठाया है और मेरे प्रस्ताव को कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति मिल गई। इसे अब आगे की प्रक्रिया के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।’’

सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में अनमोल अंबानी पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को उद्योगपति अनिल अंबानी के पुत्र अनमोल अंबानी पर रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य प्रयोजन के कॉरपोरेट ऋण को मंजूरी देते समय उचित जांच-परख की प्रक्रिया का पालन नहीं करने के लिए एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। नियामक ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिन के भीतर जुर्माना जमा करना होगा। यह आदेश तब आया जब अगस्त में सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस लि. के कोष की हेराफेरी से जुड़े मामले में अनिल अंबानी और 24 अन्य को पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। उनपर 25 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था।

कांग्रेस दलित विरोधी पार्टी है, उसने कुमारी सैलजा का अपमान किया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उसे ‘‘दलित विरोधी’’ पार्टी करार दिया और कहा कि उसने कुमारी सैलजा और अशोक तंवर जैसे दलित नेताओं का ‘‘अपमान’’ किया है।

शाह ने आरक्षण के संबंध में टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई आरक्षण की रक्षा कर सकता है, तो वह केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। शाह पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए टोहाना में रैली को संबोधित कर रहे थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने अपने संबोधन में आरोप लगाया, ‘‘कांग्रेस दलित विरोधी पार्टी है। कांग्रेस ने

हमेशा दलित नेताओं का अपमान किया, चाहे वह अशोक तंवर हों या बहन कुमारी सैलजा। कांग्रेस ने सभी का अपमान किया।’’ सत्तारूढ़ भाजपा दलित नेता सैलजा के चुनाव प्रचार से दूर रहने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साध रही है। सैलजा के चुनाव प्रचार से दूर रहने की खबरों के बीच केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सैलजा को भाजपा में शामिल होने का न्योता दिया था। आरक्षण पर गांधी की टिप्पणी का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, ‘‘राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा था कि विकास के बाद आरक्षण की कोई जरूरत नहीं है। वे (कांग्रेस) विकास के बाद आरक्षण हटा देंगे।’’

जम्मू कश्मीर चुनाव धर्म की नहीं, बल्कि कर्म की बात है : फारूक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुरनकोट/राजौरी/जम्मू/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने लोगों से एकजुट होने और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ इसके गठबंधन का पुरजोर समर्थन करने की सोमवार को अपील करते हुए कहा कि अभी यह धर्म की नहीं, बल्कि कर्म की बात है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने देश भर में नफरत फैलाने वाली ‘‘ताकतों’’ के खिलाफ लड़ाई पर जोर दिया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि वे सत्ता में बने रहने के लिए देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि वह अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाते रहेंगे क्योंकि यह जम्मू कश्मीर के लोगों के सम्मान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि ‘‘लगातार’’ आतंकी हमले, विशेष रूप से शांतिपूर्ण जम्मू क्षेत्र में, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के इस दावे का खंडन करते हैं कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ ही आतंकवाद ‘‘खत्म’’ हो गया। सुरनकोट में एक रैली को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और ‘मंगलसूत्र’ के बारे में उनकी टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी जनता के बीच नफरत भड़काने के लिए की गई थी। कुछ महीने पहले संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार करते हुए मोदी ने मुसलमानों का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि कांग्रेस की योजना लोगों की गाढ़ी कमाई और कीमती सामान ‘‘घुसपैठियों’’ एवं ‘‘अधिक बच्चे पैदा करने वालों’’ को देने की है तथा अगर वह सत्ता में आई तो ‘‘माताओं और बहनों का सोना’’ चुरा लेगी।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए दबाव डालेंगेः राहुल गांधी

सुरनकोट (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस चाहती है कि जम्मू-कश्मीर को दिल्ली के बजाय स्थानीय लोग चलाएं। उन्होंने वादा किया कि पार्टी मौजूदा विधानसभा चुनावों के बाद जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाएगी। पुंछ जिले के सुरनकोट विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद ‘इंडिया’ (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘‘आत्मविश्वास को हिला दिया है।’’ गांधी ने कहा ‘‘वह 56 इंच की छाती का बखान करते थे लेकिन अब वह पहले जैसे व्यक्ति नहीं रहे।’’ कांग्रेस नेता ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धर्म, जाति, पंथ और क्षेत्र के नाम पर लोगों को बांटने के लिए नफरत फैलाने का आरोप लगाया। गांधी ने कहा, ‘‘देश के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदला गया...आपका लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिया गया। हमने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को प्राथमिकता दी है।’’

अमरावती में बस पुल से नीचे गिरी, चार लोगों की मौत

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में सोमवार को एक बस के एक नाले पर बने पुल से गिर जाने के कारण उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह करीब आठ बजे परतवाड़ा-धारणी मार्ग पर सेमाडोह गांव के पास हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया, बस में 45 यात्री सवार थे, उनमें से चार की मौत हो गई जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

पंजाब में भगवंत मान मंत्रिमंडल में फेरबदल, आप के पांच विधायक कैबिनेट मंत्री बनाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सोमवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के पांच विधायकों को मंत्री बनाया।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नये मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मान सहित आप के अन्य नेता भी मौजूद थे। मंत्री पद की

शपथ लेने वालों में हरदीप सिंह मुंडिया, बरिंदर कुमार गोयल, तरुणप्रीत सिंह सोंद, डॉ. रवजोत सिंह और मोहिंदर भगत शामिल हैं। उन्होंने पंजाबी में शपथ ली। मंत्रिमंडल के नये सदस्यों में, तीन मालवा क्षेत्र से हैं और दो दोआबा से हैं। राज्य में 30 माह से सत्तारूढ़ आप सरकार के मंत्रिमंडल में यह चौथा फेरबदल है। इससे पहले चार मंत्रियों – चेतन सिंह जौरामाजरा (जनसम्पर्क, रक्षा सेवाएं और बागवानी), अनमोल गगन मान (पर्यटन और निवेश संवर्द्धन), बलकार सिंह (स्थानीय शासन और संसदीय मामले) और ब्रह्म शंकर जिम्पा (राजस्व) को भगवंत मान मंत्रिमंडल से हटा दिया गया।

वर्तमान में, मान के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित 15 मंत्री हैं। मंत्रिमंडल में अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। पांच मंत्रियों के शामिल होने और चार को हटाये जाने के बाद मंत्रिमंडल में 16 मंत्री हो गए हैं।

मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु के राज्यपाल के बयान की आलोचना की, कहा- आरएन रवि संविधान के खिलाफ बोल रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने रविवार को कथित तौर पर कहा था कि भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं है। उनके इस बयान पर सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद मणिकम टैगोर ने आलोचना की है। तमिलनाडु के राज्यपाल ने रविवार को कन्याकुमारी में एक समारोह में कहा था, इस देश के लोगों के साथ बहुत धोखाधड़ी हुई है और उनमें से एक यह है कि उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या करने की कोशिश की है।

राज्यपाल ने कहा था, धर्मनिरपेक्षता का क्या मतलब है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा (कॉन्सेप्ट) है। यह भारतीय अवधारणा नहीं है। यूरोप में, धर्मनिरपेक्षता इसलिए आई क्योंकि चर्च और राजा के बीच लड़ाई हुई थी... भारत 'धर्म' से दूर कैसे हो सकता है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है और इसे वहीं रहने दें। भारत में, धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं है।

उनके इस बयान को लेकर कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, धर्मनिरपेक्षता पर तमिलनाडु के राज्यपाल का बयान अस्वीकार्य है। यह भारत के संविधान और महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल के भारत के विचार के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा, विदेशों में धर्मनिरपेक्षता का विचार भले ही अलग हो, लेकिन भारत में हम सभी अन्य धर्मों का सम्मान करते हैं, हम सभी अन्य परंपराओं का सम्मान करते हैं। हम सभी अन्य प्रथाओं का सम्मान करते हैं और यही भारत में धर्मनिरपेक्षता का विचार है।

भाजपा और अन्य संबद्ध संगठन भारत में धर्मनिरपेक्षता के इस विचार के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अन्य धर्मों और परंपराओं का अपमान करना चाहती है। भारत की परंपरा ऐसी नहीं है। उन्होंने कहा, हम विविधता का जश्न मनाना चाहते हैं, हम अन्य धार्मिक मान्यताओं का जश्न मनाते हैं, हम अन्य परंपराओं, अन्य भाषाओं और अन्य प्रथाओं का जश्न मनाते हैं और यही भारत की धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा है।

मणिकम टैगोर ने आगे कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल रवि संविधान के खिलाफ बोल रहे हैं। भाजपा और आरएसएस भारत के संविधान को बदलने के पक्ष में हैं, जो बाबा साहेब अंबेडकर की सोच पर आधारित है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसा कभी नहीं होने देगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यपाल रवि ने अपनी सीमाएं लांघ दी हैं।

धनबाद-कोयम्बटूर स्पेशल हुई रद्द

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे ने विजयवाड़ा – काजीपेट– बल्हारशाह सेक्शन में वारंगल– हसनपर्ती – काजीपेट 'एफ' केबिन के बीच प्री नॉन इंटरलॉकिंग/नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों के कारण ट्रेनों को रद्द किया गया है। ट्रेन संख्या 03325 धनबाद–कोयंबटूर स्पेशल, जो 25 सितंबर और 02 अक्टूबर को धनबाद से 10.10 बजे रवाना होने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 03326 कोयंबटूर–धनबाद स्पेशल, जो 28 सितंबर और 05 अक्टूबर को 12.55 बजे कोयंबटूर से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

सैमसंग श्रमिक हड़ताल से विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर खतरा : जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग के तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में स्थित संयंत्र में श्रमिकों की हड़ताल और तेज हो रही है और इससे क्षेत्र में विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को कहा कि इस मामले में केंद्र और तमिलनाडु सरकार को तत्काल दखल देना चाहिए।

जीटीआरआई ने बयान में कहा, यदि सैमसंग के श्रीपेरंबदूर संयंत्र में हड़ताल का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने के अपने प्रयास में महत्वपूर्ण जमीन खोने का खतरा है। इसमें कहा गया है कि हड़ताल तेजी से एक बड़ा संकट बनती जा रही है, और इससे राज्य की एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थिति को खतरा पैदा हो जाएगा।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अशांति बढ़ती जा रही है और इससे क्षेत्र के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है, जिसमें फॉक्सकॉन, सनमीना और फ्लेक्स जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अशांति भारत की स्थिर विनिर्माण परिचालन को बनाए रखने की क्षमता पर संदेह पैदा कर रही है, जो निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

उन्होंने कहा, भारत को औद्योगिक आसूचना इकाइयां स्थापित करनी चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि व्यवधान विदेशी इकाइयों से प्रभावित हैं या नहीं। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तमिलनाडु का 34 प्रतिशत का योगदान है। श्रीवास्तव ने कहा, हड़ताल के समाधान में देरी से नौकरियां खत्म हो सकती हैं, विकास रुक सकता है और निवेशकों के भरोसे में भारी गिरावट आ सकती है। राज्य और केंद्र, दोनों सरकारों को क्षेत्र के अन्य प्रमुख विनिर्माताओं तक अशांति फैलने से रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

Greater Chennai Traffic Police
YOUR SAFETY IS OUR PRIORITY
ADITYARAM
PLOTS | VILLAS | APARTMENTS
99400 00066

ADITYARAM
VILLAS APARTMENTS
PLOTS 99400 00066

तमिलनाडु में पुलिस के साथ मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया गया सीजिंग' राजा के नाम से मशहूर घोषित अपराधी सोमवार को भागने की कोशिश के दौरान यहां पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जब राजा को छिपाकर रखे गए हथियारों की बरामदगी के लिए शहर के बाहरी इलाके में एक स्थान पर ले जाया गया, तो उसने भागने की कोशिश की और पुलिस दल पर गोली चला दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी ने आत्मरक्षा में उस पर गोली चलाई जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद कार्ति पी. चिदंबरम ने कहा कि मुठभेड़ खराब पुलिस व्यवस्था का परिचायक हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कई साल पहले कर्ज वसूली एजेंट के रूप में काम कर रहा एन. राजा (51) कर्ज न चुकाने वाले लोगों के ''वाहन जब्त'' (सीज) करता था और इसलिए वह 'सीजिंग' राजा के नाम से पहचाने जाने लगा और बाद में अपराधों में ''अपनी संलिप्तता'' के लिए कुख्यात हो गया। उन्होंने बताया, वह पहले जिन दो स्थानों पर पुलिस को लेकर गया, वहां कोई हथियार नहीं थे और तीसरे स्थान पर एक देसी पिस्तौल थी। इसे सौंपने की आड़ में उसने एक इंस्पेक्टर पर दो बार गोली चलायी और सौभाग्य से गोली इंस्पेक्टर को नहीं लगी बल्कि गाड़ी को लगी। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद एक अन्य इंस्पेक्टर ने आत्म–रक्षा में आरोपी पर गोली चलायी।

पुलिस अधिकारी ने यहां पत्रकारों को बताया कि गोली लगने के कारण राजा अचेत हो गया और उसे एक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजा के खिलाफ कुल 39 संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं जिनमें से छह हत्या के मामले हैं। वह गुंडा कानून के तहत आठ बार जेल जा चुका था। उसके खिलाफ 10 से अधिक वारंट लंबित थे और वह एक घोषित अपराधी था।

उसे पकड़ने के लिए विशेष पुलिस दल गठित किए गए थे और एक खुफिया सूचना के आधार पर आंध्र प्रदेश के कडपा में उसके ठिकाने से उसे 22 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था। उसे विशेष दलों ने 23 सितंबर की सुबह वेलाचेरी पुलिस इंस्पेक्टर को सौंपा था और उसे हथियारों की बरामदगी के लिए अक्काराई (ईस्ट कोस्ट रोड) ले जाया गया। आरोपी का शव पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट रोयापेट्टा हॉस्पिटल ले जाया गया।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुठभेड़ में मार गिराना खराब और अक्षम पुलिस व्यवस्था को दर्शाती है। यह कानून हाथ में लेना है और कानून की व्यवस्था में इसका कोई स्थान नहीं है। राजा की पत्नी की पुलिस हिरासत में अपने पति की सुरक्षा को लेकर आशंका जताते हुए एक कथित वीडियो क्लिप रविवार को सोशल मीडिया पर साझा की गयी थी।

राजनीतिक टिप्पणीकार सुमंत रमन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, पुलिस मुठभेड़ आपराधिक न्याय प्रणाली की नाकामी दिखाते हैं। चेन्नई में इस साल जुलाई से लेकर अब तक मुठभेड़ में किसी के मारे जाने की यह तीसरी घटना है।

जयशंकर श्रीलंका में गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई के लिए कदम उठाएं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के 37 मछुआरों की गिरफ्तारी और तीन नौकाओं को जब्त किए जाने के मामले से अवगत कराया तथा उनकी रिहाई के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

जयशंकर को पत्र लिखकर स्टालिन ने कहा कि मछुआरों को 21 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और जैसा कि वह बताते रहे हैं कि तमिलनाडु के मछुआरे जब अपने पारंपरिक जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे होते हैं तब उनकी गिरफ्तारी के मामले बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा श्रीलंका की अदालतें ऐसे दंड लगा रही हैं जो इन मछुआरों की पहुंच से बाहर हैं। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि श्रीलंकाई अधिकारियों को मछुआरों और मछली पकड़ने वाली उनकी नावों को पकड़ने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए।

स्टालिन ने कहा, ''इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप श्रीलंका सरकार पर दबाव डालें कि वह मछुआरों पर भारी जुर्माना लगाना बंद करे और उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करे। इसके अलावा, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप जल्द से जल्द सभी गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई करवाएं और उनकी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को भी जितनी जल्दी हो सके छुड़वाएं।''

दिवंगत माकपा नेता के शरीर को सरकारी अस्पताल को दान करने को लेकर परिवार में विवाद

कोच्चि। दिवंगत माकपा नेता एम एम लॉरेंस के शव को सरकारी अस्पताल को दान करने को लेकर उनके परिवार में विवाद हो गया। इसके चलते एर्णाकुलम टाउन हॉल में नाटकीय दृश्य देखा गया जहां माकपा नेता का पार्थिव शरीर सार्वजनिक श्रद्धांजलि के लिए रखा गया था। अप्रत्याशित घटना तब हुई दिवंगत नेता की बेटी आशा ने अपने भाई–बहनों द्वारा पिता के शरीर को शैक्षिक उद्देश्यों के लिए यहां स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को दान किए जाने का विरोध किया और उनके फैसले को चुनौती देते हुए केरल उच्च न्यायालय का रुख किया।

उच्च न्यायालय ने याचिका पर विचार करने के बाद कलामासेरी मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों को आपत्तियों पर सुनवाई करने और केरल शरीर रचना विज्ञान अधिनियम के अनुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया। अदालत ने कॉलेज को शव को फिलहाल शवगृह में सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। अपनी याचिका में, बेटी ने दावा किया कि उनके पिता ने बपतिस्मा कराया था और उनके सभी बच्चों ने भी गिरजाघर में बपतिस्मा कराया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई–बहन कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर उनके पिता को नास्तिक के रूप में पेश करने का प्रयास कर रहे हैं। लॉरेंस के दो बच्चों ने पहले शव को मेडिकल कॉलेज को सौंपने के लिए अपनी सहमति दी थी। माकपा नेता का 21 सितंबर को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

इस बीच, सत्तारूढ़ माकपा ने स्पष्ट किया कि इस मामले में उसकी कोई भूमिका नहीं है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जिला सचिव सीएन मोहनन ने कहा कि शव को मेडिकल कॉलेज को सौंपने का निर्णय लॉरेंस के बेटे ने किया था। अदालत का फैसला तब आया जब मेडिकल कॉलेज के अधिकारी शव को कब्जे में लेने के लिए टाउन हॉल पहुंचे। मामले में शिकायतकर्ता आशा ने तब विरोध किया जब माकपा कार्यकर्ताओं की नारेबाजी के बीच शव को मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों को सौंपा जा रहा था। लॉरेंस के बेटे ने कहा कि उन्होंने अपने पिता की अंतिम इच्छा के अनुसार उनके शरीर को मेडिकल की पढ़ाई के लिए सौंपने का फैसला किया।

केरल में माकपा, कांग्रेस ने 'ईवाई' कर्मचारी की मौत के संबंध में बयान को लेकर सीतारमण पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी दल कांग्रेस ने ऑडिट कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) में कार्यरत एक युवा सीए पेशेवर की हाल में हुई मौत पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधा और उनसे माफी की मांग की। अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल ने 2023 में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की कठिन परीक्षा पास की और अर्न्स्ट एंड यंग के पुणे कार्यालय में चार महीने तक काम किया। जुलाई में उनकी मृत्यु हो गई। पेरायिल की मां द्वारा ईवाई इंडिया के अध्यक्ष को लिखे एक पत्र के अनुसार, नए कर्मचारी के रूप में पेरायिल पर ''बहुत ज़्यादा'' काम का बोझ था, जिसने उन्हें शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक रूप से'' प्रभावित किया। शनिवार को चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में सीतारमण ने इस घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा था कि शिक्षण संस्थानों और परिवारों को बच्चों को तनाव प्रबंधन के गुर सिखाने चाहिए, उनसे कहना चाहिए कि वे जो भी पढ़ाई करें, जो भी नौकरी करें, उनमें उससे जुड़ा तनाव झेलने की अंदरूनी शक्ति होनी चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा था, ''ईश्वर पर विश्वास रखें, हमें ईश्वर की कृपा की आवश्यकता है। ईश्वर की खोज करें, अच्छा अनुशासन सीखें। आपकी आत्म शक्ति इसी से बढ़ेगी। अंदरूनी शक्ति केवल आत्म शक्ति बढ़ने से ही आएगी।'' केंद्रीय वित्त मंत्री के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए केरल के पर्यटन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री पी ए मोहम्मद रियास ने कहा कि सीतारमण आईटी कर्मचारियों का शोषण करने वाली कारोबारी इकाईयों की 'संरक्षक' बन गई हैं। उन्होंने कहा कि देश के आईटी सेक्टर में कॉरपोरेट शोषण के कारण मानसिक तनाव और उससे जुड़ी मौतें बढ़ रही हैं। रियास ने कहा, देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आईटी कर्मचारियों का शोषण करने वाली 'कॉरपोरेट ड्रैकुला' की संरक्षक बन गई हैं। उनके बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत की वित्त मंत्री ऐसे ड्रैकुला की प्रायोजक बन गई हैं। उन्हें अपना बयान वापस लेना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। वामपंथी नेता ने यह भी आरोप लगाया कि सीतारमण वास्तविक मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रही हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नितला ने कहा कि कॉरपोरेट जगत के लालच ने अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल की जान ले ली। उन्होंने सीतारमण के बयान को 'अत्यंत निंदनीय'' बताते हुए कहा, पेरायिल जिस माहौल में काम करती थीं, उसकी या प्रबंधन की आलोचना करने के बजाय वित्त मंत्री ने उनके माता–पिता का अपमान करना चुना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने हैरत जताते हुए कहा कि अगर भगवान से प्रार्थना करना ही हर समस्या का समाधान है तो सरकार और कानून की क्या जरूरत है।

सत्तारूढ़ माकपा की युवा शाखा डीवाईएफआई ने मौजूदा श्रम कानूनों के सख्त क्रियान्वयन की मांग की है। राज्यसभा सदस्य और डीवाईएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए ए रहीम ने कहा कि काम और निजी जीवन के बीच स्वस्थ संतुलन सुनिश्चित करने के लिए कारोबारी घरानों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

विधानसभाओं को वित्तीय स्वायत्तता दें, और 60 दिन का सत्र अनिवार्य हो : बसवराज होर्राट्टी

बेंगलूरु। विधान सभाओं के स्वतंत्र प्रबंधन एवं गैर–पक्षपातपूर्ण कामकाज को देखते हुए उन्हें वित्तीय स्वायत्तता देना आवश्यक है और इस संबंध में उचित कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

नई दिल्ली के नए संसद भवन में दो दिवसीय 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत जोन सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक में बोलते हुए, बसवराज होर्राट्टी ने कहा कि उचित कदम उठाकर सदनों का सम्मान, गरिमा और महत्व बढ़ाया जाना चाहिए। विधान सभा मंत्रालय को वित्तीय स्वायत्तता और स्वायत्त दर्जा देने का कानून द्वारा निर्णय। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ने यह समझाते हुए उचित कार्रवाई करने की अपील की कि हर वित्तीय संसाधन के लिए सरकारों और वित्त विभाग के अधिकारियों के पास जाना उचित नहीं है और इस प्रक्रिया में वित्तीय अनुदान प्राप्त करने के लिए बहुत समय और प्रयास की आवश्यकता होती है। और इससे विधान सभाओं की स्वायत्तता में बाधा आ रही है। विधानसभा सत्र के बारे में प्रस्ताव देने वाले बसवराज होर्राट्टी ने कहा कि हर साल कम से कम 60 दिनों का सत्र आयोजित करना अनिवार्य किया जाना चाहिए। विधानसभाएँ आम लोगों के दैनिक जीवन के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उपयुक्त मंच हैं, इसलिए हर वर्ष विधान सभाएँ कम से कम 60 दिनों का सत्र आयोजित करती हैं और लोकसभा और राज्यसभा से इसे सफल बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध करती हैं। सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, कर्नाटक विस अध्यक्ष यूटी खादर, कर्नाटक के दोनों सदनों के सचिव के.आर. महालक्ष्मी, विशालाक्षी, विधानसभा अध्यक्ष के विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. महेश वाल्वेकर, विभिन्न राज्यों के विधान सभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्षों ने भाग लिया है।

भारतीय खाद्य निगम में हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। भारतीय खाद्य निगम के आंचलिक कार्यालय, दक्षिण एवं क्षेत्रीय कार्यालय, तमिलनाडु के सौजन्य से मंडल कार्यालय, कोयंबत्तूर के डिपो सेलम में 20 सितम्बर को हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में हिंदी के प्रबंधक अबिरामी पी ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बताया कि हिंदी हमारी राजभाषा है और इसे राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हम पूरे प्रयास में है। उन्होंने सभी कार्मिकों को यह प्रण दिलाया कि हम अपने कार्यालय संबंधी कार्यों शत प्रतिशत हिंदी में करने का प्रयास कर रहे हैं।

भारतीय खाद्य निगम के आंचलिक कार्यालय, दक्षिण एवं क्षेत्रीय कार्यालय, तमिलनाडु के सौजन्य से मंडल कार्यालय, कोयंबत्तूर में 21 सितम्बर को हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़ा के पहले दिन हिंदी श्रुतिलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में कार्यालय के प्रायः सभी अधिकारी/कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता किया। कार्यक्रम का संचालन सुकिर्ति कुमारी (राजभाषा) द्वारा किया गया। भारतीय खाद्य निगम के आंचलिक कार्यालय, दक्षिण एवं क्षेत्रीय कार्यालय, तमिलनाडु के सौजन्य से मंडल कार्यालय, कोयंबत्तूर में 23 सितम्बर को टिप्पण व आलेखन और वाक्य संरचना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में कार्यालय के प्रायः सभी अधिकारी/कर्मचारियों ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता किया। कार्यक्रम का संचालन सुकिर्ति कुमारी ने किया।

देश की अर्थव्यवस्था की गाड़ी की 'ड्राइविंग' सीट पर आज निजी क्षेत्र : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए सोमवार को कहा कि आज देश की अर्थव्यवस्था की गाड़ी की 'ड्राइविंग सीट' पर निजी क्षेत्र बैठा हुआ है। राजनाथ ने यहां एक सैनिक स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नए सैनिक स्कूल भी 'पीपीपी' मॉडल के तहत स्थापित किए जा रहे हैं। पीपीपी को उन्होंने 'सार्वजनिक निजी भागीदारी' के बजाय 'निजी सार्वजनिक भागीदारी' के रूप में परिभाषित किया, ताकि निजी क्षेत्र के महत्व पर जोर दिया जा सके।

इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि सैनिक स्कूल समाज को नयी दिशा देने के प्रयास को नयी गति देने का काम करेंगे। सिंह ने कहा कि ये स्कूल अपने विद्यार्थियों में अनुशासन, देशभक्ति व साहस जैसे मूल्य भरते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश में अब तक स्थापित सभी सैनिक स्कूल केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयासों से चलाए जा रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री ने जिन 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना का लक्ष्य रखा है, वे 'पीपीपी' मॉडल निजी-सार्वजनिक भागीदारी के आधार पर स्थापित और संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम तौर पर पीपीपी मॉडल को 'सार्वजनिक निजी भागीदारी' के रूप में देखा जाता है।

रक्षा मंत्री ने कहा,लेकिन प्रधानमंत्री ने जिन 100 नए सैनिक स्कूल की स्थापना का लक्ष्य रखा है वह केंद्र और राज्य सरकार की पार्टनरशिप से नहीं बल्कि नहीं पीपीपी मॉडल यानी निजी सार्वजनिक भागीदारी के आधार पर स्थापित और संचालित किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, जब भी सार्वजनिक निजी भागीदारी की बात आती है तो पब्लिक शब्द यानी सरकार की भूमिका पहले आती है। कोई भी परियोजना होती है, तो हम सरकार की भूमिका सबसे पहले ढूंढने लगते है। परिस्थितियां अब पूरी तरह से बदल रही हैं। इसलिए अब पीपीपी की मानक परिभाषा से हटकर इसे निजी सार्वजनिक भागीदारी समझता हूं। इसलिए हमने पहले सार्वजनिक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। हमने पहले निजी शब्द का उपयोग किया किया।

उन्होंने कहा, मैं निजी शब्द को पहले इसलिए रख रहा हूं क्योंकि वर्तमान समय में अर्थव्यवस्था के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भूमिका सार्वजनिक क्षेत्र के मुकाबले अब कहीं ज्यादा होती जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में प्राथमिक क्षेत्र यानी कृषि और उससे जुड़ी हुई गतिविधियों की बात की जाए तो भारत का 50 प्रतिशत से अधिक कार्यबल उसमें काम करता है। अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा हिस्सा अपने आप में निजी क्षेत्र है। अर्थव्यवस्था के दोनों बाकी क्षेत्र यानी विनिर्माण व सेवा क्षेत्र में भी निजी क्षेत्र की भूमिका पहले से कहीं से अब ज्यादा हो गयी है।

रक्षा मंत्री ने कहा,मेरे कहने का अर्थ यह है कि देश की अर्थव्यवस्था की जो गाड़ी है, उस गाड़ी की ड्राइविंग सीट पर आज निजी क्षेत्र बैठा हुआ है। उन्होंने कहा, देश में जिन नए सैनिक स्कूलों की अब स्थापना हो रही है वह इसी निजी सार्वजनिक भागीदारी के आधार पर की जा रही है। पीपीपी की अवधारणा के तहत शिक्षा का जो विकास किया जा रहा है वह मेरी समझ में उपयुक्त इसलिए है क्योंकि इसमें निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों की क्षमता एक साथ मिलकर काम करेंगी और हमारी आने वाली पीढ़ी को सर्वोत्तम शिक्षा उपलब्ध कराएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा को भारत के समाज व राष्ट्र के विकास के सबसे आधारभूत तत्व के रूप में देखा गया है, भारत में शिक्षा का प्राचीन काल से बहुत महत्त्व रहा है। हमारे यहां प्राचीन शिक्षा प्राणी ने समाज निर्माण में अपना बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस सचाई को कोई नकार नहीं सकता।

उन्होंने विश्वास जताया कि सैनिक स्कूल समाज को नयी दिशा देने के प्रयास को नयी गति देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि ये स्कूल अपने विद्यार्थियों को अनुशासन, देशभक्ति व साहस जैसे मूल्यों की शिक्षा देते हैं। उन्होंने कहा, सैनिक स्कूल विद्यार्थियों को सिर्फ किताबी जानकारी ही नहीं देते बल्कि विद्यार्थियों में मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता, मूल्यों का समावेश कराने की भी कोशिश करते हैं। सैनिक स्कूल अपने विद्यार्थियों को अनुशासन, देशभक्ति व साहस जैसे मूल्यों की भी शिक्षा देते हैं। उन्होंने कहा, इन मूल्यों के कारण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का जो सर्वांगीण विकास होता है वह उन्हें देश को आगे ले जाने के लिए स्वाभाविक रूप से प्रेरित करता है।

सिंह ने कहा, आज जब हम नयी शिक्षा नीति के माध्यम से समाज को एक नयी दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं सैनिक स्कूल, मैं मानता हूं... इस प्रयास को नयी गति देने का काम करेंगे ...ऐसा मेरा पक्का विश्वास है। सितंबर 2023 में सैनिक स्कूल सोसायटी ने भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल, जयपुर में एक नए सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए भवानी निकेतन शिक्षा समिति के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

इससे पहले, सिंह ने नव स्थापित स्कूल में एक पौधा भी लगाया, जिसने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में काम करना शुरू कर दिया है। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद थे।

मां के तबादले के लिए रक्षा मंत्री के पास पहुंचा छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर का एक छात्र अपनी मां के तबादले को लेकर सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पास पहुंच गया।

रक्षा मंत्री यहां एक कार्यक्रम के बाद रवाना होने के लिये अपने वाहन की ओर जा रहे थे तभी अचानक एक छात्र उनकी ओर बढ़ा हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ कर दूर कर दिया। इस घटना का एक वीडियो वायरल हो गया। छात्र के अनुसार उसने अपनी मां (अध्यापक) के तबादले के लिये एक पत्र राजनाथ सिंह को बाद में सौंपा। हालांकि, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस घटना के बारे में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल परिसर में निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आये थे।

एनसीसी कैडेट्स की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका : बेरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के अतिरिक्त महानिदेशक, उप महानिदेशकों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक में शिरकत की। बैठक में एनसीसी के वर्तमान कार्यक्रमों की प्रगति, आगामी राष्ट्रीय शिविरों की योजना, कैडेटों के प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार तथा संगठन के समग्र विकास हेतु नवीन रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेटस द्वारा राष्ट्र निर्माण में निभाई जा रही भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने के उपायों पर भी गहन विचार-विमर्श होना चाहिए।

चक्रधर स्वामी और गोविन्द प्रभु ने समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर रूढियों के बंधन से मुक्त किया : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े सोमवार को राजापार्क स्थित गोपाल मंदिर पहुंचे और उन्होंने वहां चक्रधर प्रभु जी व भगवान गोविन्द प्रभु जी महाराज की पूजा अर्चना कर उनसे राष्ट्र और राज्य की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बागड़े ने बाद में कहा कि चक्रधर स्वामी और गोविन्द प्रभु जी महाराज के अवतार उत्सव पर उनकी दी हुई शिक्षाओं से हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संतों के जीवन आदर्श जीवन जीने की सीख देते हैं। चक्रधर स्वामी जी और गोविन्द प्रभु जी महाराज ने समाज में फैली कुरूतियों को दूर कर रूढियों के बंधन से मुक्त किया।

सर्वज्ञ चक्रधर स्वामी जी के जीवन और आदर्शों की चर्चा करते हुए राज्यपाल बागड़े ने कहा कि वह वैष्णवाद परंपरा के प्रमुख प्रतिपादक ही नहीं थे बल्कि जाति,धर्म भेद से परे उन्होंने मानवता के धर्म को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि चक्रधर स्वामी ने ''महानुभव पंथ'' की स्थापना की और इसके जरिए से समाज के सभी वर्गो को जोडने का काम किया।

बागड़े कहा कि भगवान चक्रधर स्वामी मराठी भाषा के जन्मदाता माने जाते हैं। कवयित्री महदंबा उनकी शिष्या थीं। मराठी के आद्यग्रंथ लीलाचरित्र में चक्रधर स्वामी की जीवनी समाविष्ट है। राज्यपाल ने कहा कि ''महानुभव पंथ'' में पांच कृष्णो के विचार प्रमुख हैं। यह पांच कृष्ण, दत्तात्रेय प्रभु, चक्रपाणि, गोविन्दा प्रभु और स्वयं चक्रधर स्वामी। उन्होंने कहा कि चक्रधर स्वामी जन-जन से जुडे आलोक-पुरुष थे। उन्होंने जनता में एकता और समभाव का संदेष दिया।

चक्रधर स्वामी ने अपने उपदेश मराठी भाषा में ही दिए। संक्षिप्त शैली में उनके सूत्र अर्थपूर्ण हैं। जीवन के मर्म को समझने वाले हैं। उन्होंने चक्रधर स्वामी की चार प्रमुख शिक्षाओं - अहिंसा, तप, ब्रह्मचर्य और भक्ति की चर्चा की। बागड़े कहा कि गोविन्दा प्रभु भी महान समाज सुधारक थे। उन्होंने छुआछूत, जात-पात के भेद से समाज को मुक्त किया। आरंभ में उनका बहुत विरोध हुआ परंतु उन्होंने इसकी परवाह नहीं की संत ऐसे ही होते हैं।

कांग्रेस को विरोध करना है तो राहुल गांधी का करे : बिट्टू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर की गई अपनी टिप्पणी का एक तरह से बचाव करते हुए सोमवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करना है तो राहुल गांधी का करना चाहिए। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिट्टू के खिलाफ सीबीआई फाटक क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की लेकिन पुलिस उन्हें बसों में बैठाकर ले गई। यहां एक खेल कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे मंत्री बिट्टू से हवाई अड्डे पर मीडिया ने जब राहुल गांधी के खिलाफ उनके बयान के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, इसमें कांग्रेस या भाजपा की बात नहीं है। बात पंजाब व सिखों की है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी तो खुद कितनी बार गुरुद्वारा दरबार साहिब जाते हैं ...कौन रोकता है? इसलिए यह पार्टी की बात नहीं है, पार्टी से ऊपर की बात है। बिट्टू ने कहा, आप कोई भी एक आदमी बताओ... किसने हमें कड़ा पहनने से रोका है? किसने हमें पगड़ी बांधने से रोका है? किसने हमें गुरुद्वारे जाने से रोका है? इसलिए अगर कांग्रेस को विरोध करना है तो राहुल गांधी का करना चाहिए।

हालांकि मंत्री ने इस सवाल पर कुछ नहीं कहा कि वह राहुल गांधी के खिलाफ अपने बयान पर कायम हैं या नहीं।

रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री बिट्टू जगतपुरा शूटिंग रेंज में 57वीं अंतर रेलवे निशानेबाजी प्रतियोगिता का उद्घाटन करने आए थे। कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता बिट्टू का विरोध करने सीबीआई फाटक क्षेत्र पहुंचे लेकिन पुलिस उन्हें वहां से बसों में बैठाकर ले गई।

राहुल को राष्ट्र भक्ति सीखनी पड़ेगी : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हिंदुओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें देशभक्ति सीखनी होगी। राठौड़ ने टोंक में मीडिया से बात करते हुए कहा, राहुल गांधी जी को सीखने की जरूरत है। राष्ट्रभक्ति सीखना पड़ेगा। वे विदेशों में जाकर भारत की प्रतिष्ठा को खराब करें यह ठीक बात नहीं है।'' उन्होंने कहा,''वह(राहुल गांधी) हिंदू को हिंसा के साथ जोड़ें... यह कितनी दुखद बात है। हिन्दू गाय को रोटी देता है.. चींटी को दाना देता है और उस हिंदू को वह हिंसा के साथ जोड़ें तो मैं सोचता हूं कि उनको सीखने की जरूरत है... कि ऐसी बातें उनको नहीं बोलनी चाहिए।'' भाजपा नेता ने कहा, '' ऐसे शब्द प्रयोग करेंगे तो लोग मुकदमा दर्ज करवायेंगे, विरोध करेंगे ही।'' राठौड़ सोमवार को कोटा दौरे पर हैं और यात्रा के दौरान वह कुछ देर टोंक में रुके, जहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

सीमावर्ती इलाकों से मानसून की वापसी शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी सोमवार को शुरू हो गई। इस बार सामान्य से छह दिन बाद मानसून यहां से वापस लौटना शुरू हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र-जयपुर के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों से आज मानसून की वापसी सामान्य से छह दिन की देरी से शुरू हुई है।

वहीं पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की गतिविधियां 25 सितंबर से 30 सितंबर तक दर्ज होने की संभावना है। भरतपुर, जयपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में भी 27-29 सितंबर के दौरान मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

इसके अनुसार पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में आगामी तीन-चार दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में 28 से 30 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

भरतपुर में मकान की पट्टी गिरने से माँ-बेटे की मौत

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में सेवर थाना क्षेत्र में स्टेडियम नगर में सोमवार को एक मकान की पट्टी गिरने से हुए दर्दनाक हादसे में माँ-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पिता बाल बाल बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलभराव वाले स्टेडियम नगर में दो भाइयों के मकान में से एक भाई के घर में काम चल रहा था, तभी अचानक दूसरे भाई की मकान की छत की पटिया टूटकर सुरेश के मकान पर गिर पड़ी। हादसे में मृत रीना (35) पत्नी सुरेश एवं उसके पुत्र 11 वर्षीय हितेश वैश्य को उनके पड़ोसी निजी वाहन से गम्भीर हालत में अस्पताल भी लेकर गए लेकिन डाक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

41 51 61 7
42 52 62 7
43 53 63 7
44 5
फल
आकृतियाँ

महिला एवं बाल विकास शासन सचिव ने आँगबाड़ी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

जयपुर/दक्षिण भारत। शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी ने सोमवार को गांधीनगर राजकीय प्राथमिक विद्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र (नंदघर) का औचक निरीक्षण किया। शासन सचिव ने आंगनबाड़ी केंद्र पर शौचालय संचालित नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आईसीडीएस जयपुर जिला उपनिदेशक महेश शर्मा को निर्देश दिए कि उक्त आंगनबाड़ी केंद्र पर शौचालय चालू किया जाए। महेन्द्र सोनी के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र पर उपस्थित कार्यकर्ता श्रीमती हेमलता और सहायिका से केंद्र पर बच्चों की कम उपस्थिति के बारे में जानकारी ली गई। शासन सचिव ने बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली पोषाहार सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यकर्ता से पोषाहार सामग्री प्राप्त करने की प्रक्रिया की व्यवहारिक जानकारी ली। शासन सचिव को कार्यकर्ता ने बताया कि क्यू आर कोड स्कैन कर, ओ टी पी से पोषाहार सामग्री की प्राप्ति सुनिश्चित की जाती है। सोनी ने निङ्करीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध पोषाहार को देखा तथा उसकी एंट्री के बारे में जानकारी ली।

हरियाणा में कांग्रेस की एकतरफा जीत होगी : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का भरोसा जताते हुए सोमवार को कहा कि वहां पार्टी की एकतरफा जीत होगी। यहां हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में हरियाणा विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने कहा, ''हरियाणा चुनाव जीत रही है कांग्रेस, एकतरफा जीत हो रही है वहां। अच्छा माहौल है।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विपक्ष के नेताओं द्वारा की जा रही टिप्पणियों की निंदा करते हुए गहलोत ने कहा कि देश में हिंसा का माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की टिप्पणी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''अपने जीवन में मैं पहली बार इस तरह की भाषा सुन रहा हूं... भाजपा से जुड़े नेता बोल रहे हैं पर भाजपा या आरएसएस कोई टिप्पणी भी नहीं कर रही।''

उन्होंने कहा,''... दुख इस बात का है कि अगर कोई बेवकूफी कर भी देता है तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी हैं ... अमित शाह जी हैं ... (जेपी) नड्डा जी हैं ...भाजपा के किसी नेता ने यह नहीं कहा कि यह बहुत गलत है, हम इससे सहमत नहीं है। यह भी नहीं कहा।'' गहलोत ने कहा, ''यह मैं अपने जीवन में पहली बार देख रहा हूं कि इस प्रकार का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। देश में हिंसा का माहौल बनाया जा रहा है। यह किसी भी रूप में उचित नहीं है। आज हुकूमत करने वाले लोग चुप क्यों है इसका जवाब देश को देना चाहिए।''

राजस्थान की मौजूदा भाजपा सरकार द्वारा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा गठित नए जिलों की समीक्षा करवाए जाने के सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, ''नए जिलों का गठन पूरा परीक्षण कर किया गया था। छोटे जिले प्रयोग के रूप में बनाए गए। और जिले बनाए जाने की गुंजाइश राजस्थान में है।

मेयर मुनेश गुर्जर को उपस्थिति से छूट देने को हाईकोर्ट में चुनौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एसीबी की ओर से मेयर मुनेश गुर्जर के खिलाफ 19 सितंबर को चार्जशीट पेश करने के दौरान मेयर को उपस्थिति से छूट देने के एसीबी कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है । मुनेश गुर्जर ने अपने अधिवक्ता के जरिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करवाया कि वह बिमार है और डॉक्टर ने उन्हें सात दिन का बेड रेस्ट करने की सलाह दी है। शिकायतकर्ता के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने इसका विरोध किया था लेकिन कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया और उदार रूख अपनाते हुए 5 अक्टूबर 2024 को पेश होने की अनुमति दी।

इस आदेश के विरुद्ध परिवादी सुधांशु गिल के अधिवता ने हाईकोर्ट में सोमवार को फौजदारी याचिका पेश कर मांग की है कि एसीबी कोर्ट का आदेश निरस्त किया जाए और मुनेश गुर्जर को तत्काल कोर्ट में सरेंडर करने के निर्देश दिए जाए। याचिका में कहा गया है कि एसीबी कोर्ट ने कानून के विरुद्ध आदेश दिया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि अभियुक्त को प्रसंज्ञान लेने से पूर्व कोर्ट में उपस्थित होने से छूट दी जाय कोर्ट ने गलती की है तथा भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध उदार रुख अपनाया है जिससे आम जनता में गलत मैसेज जाता है कि बड़े लोगों और भ्रष्टाचारियों के मामले में न्यायालय सख्त नहीं है जबकि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाना चाहिए।

इसके अलावा मेयर ने बीमारी का बहाना बनाया है इसलिए मेडिकल बोर्ड गठित कर उसकी बीमारी की जांच की जानी चाहिए थी। सरकार और जांच एजेंसी भ्रष्टाचारी मुनेश गुर्जर को बचाना चाहती है इसलिए एसीबी ने और पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने मुनेश गुर्जर के प्रार्थना पत्र का विरोध नहीं किया बल्कि सहमति जताई और कोर्ट ने भी मुनेश गुर्जर को 16 दिन का समय पेश होने के लिए दिया है जबकि डॉक्टर की पर्ची के अनुसार उसे सात दिन के आराम की सलाह दी गई थी।

तिरुपति 'प्रसादम्' प्रकरण के बाद लखनऊ के मंदिर में बाहर से लाया प्रसाद चढ़ाने पर पाबंदी

लखनऊ/भाषा। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में भक्तों को वितरित किये गये 'प्रसादम्' में कथित तौर पर जानवरों की चर्बी मिलाये जाने को लेकर उठे विवाद के बीच लखनऊ के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा बाहर से लाकर प्रसाद चढ़ाने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर प्रशासन ने भक्तों से आग्रह किया है कि वे घर के बने हुए प्रसाद या सूखे मेवे का ही भोग लगायें। मंदिर की महंत देव्या गिरि ने तिरुपति मंदिर में मिलावटी प्रसाद वितरित किये जाने को अक्षम्य अपराध बताते हुए मामले के दोषी लोगों को फांसी देने की मांग की है। गिरि ने सोमवार को 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, ''आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में जो मिलावटी प्रसाद का मामला आया है, उस पर हम लोगों ने भक्तों से आग्रह किया है कि वे अपने आराध्य को जो प्रसाद चढ़ाएं उसमें मांसाहार का कोई तत्व नहीं होना चाहिए। इसके लिए भक्तों से आग्रह किया है कि वे घर के बने घी ही निर्मित प्रसाद लेकर आएं। या फिर वे सूखे मेवे का पकवान बनाकर अन्यथा फलों का भोग लगायें।''

सबसे कमजोर लोग 'एनकाउंटर' को अपनी शक्ति मानते हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सबसे कमजोर लोग ही 'एनकाउंटर' को अपनी शक्ति मानते हैं। सुलतानपुर में पिछले माह हुई एक डकैती के आरोपी के उन्नाव में उप्र पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ हुई मुठभेड़ में मारे जाने के कुछ घंटों बाद ही सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा ''सबसे कमजोर लोग ही 'एनकाउंटर' को अपनी शक्ति मानते हैं। किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है।''

अखिलेश ने कहा, ''हिंसा और रक्त से उप्र की छवि को धूमिल करना उप्र के भविष्य के विरुद्ध एक बड़ा षड्यंत्र है।'' उन्होंने कहा, ''आज के सत्ताधारी जानते हैं कि वो भविष्य में फिर कभी वापस नहीं चुने जाएंगे। इसीलिए वो जाते-जाते उप्र में ऐसे हालात पैदा कर देना चाहते हैं कि राज्य में कोई प्रवेश-निवेश ही न करे।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''उप्र की जागरूक जनता ने जिस तरह लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराया है, भाजपाई उसी का बदला ले रहे हैं। जिनका खुद का कोई भविष्य नहीं होता, वही भविष्य बिगाड़ते हैं। निंदनीय।''

पीलीभीत में पकड़ा गया आदमखोर बाघ, दूसरे ने किया किसान पर हमला

पीलीभीत/भाषा। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व जंगल से सटे गांवों में कई किसानों की मौत का कारण बने आदमखोर बाघ को वन विभाग की टीम ने सोमवार तड़के माला रेंज में पकड़ लिया। हालांकि दूसरी ओर एक अन्य बाघ ने खेत में काम कर रहे एक किसान पर हमला कर उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के उप निदेशक मनीष सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम को सोमवार तड़के माला रेंज में बाघ की मौजूदगी की खबर मिली थी। टीम ने सुबह करीब पांच बजे बाघ को 'ट्रैंकुलाइज' करके पिंजड़े में कैद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि वन विभाग के अनुसार पकड़ा गया बाघ माला रेंज के जंगल से बाहर आकर बांसखेड़ा और रानीगंज गांवों में किसानों पर हमला कर रहा था। इसके हमले में तीन किसानों की मौत हो गयी थी तथा कई अन्य घायल हुए थे।

आरजी कर मामला: तृणमूल विधायक, डॉक्टर से सीबीआई की पूछताछ जारी

कोलकाता/भाषा। पिछले महीने यहां आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की सीबीआई जांच के सिलसिले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष से केंद्रीय एजेंसी की पूछताछ जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल के फॉरेंसिक विभाग में डॉक्टर-प्रोफेसर अपूर्ब बिस्वास से भी सीबीआई अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के पानीहाटी से विधायक घोष सुबह करीब साढ़े 10 बजे साल्टलेक स्थित सीबीआई के सीजीओ कॉम्प्लेक्स कार्यालय पहुंचे। सीबीआई अधिकारी ने कहा, ''हमने उन्हें आरजी कर अस्पताल की घटना के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्हें (उस दिन) अस्पताल और शवदाह गृह सहित कई अन्य स्थानों पर भी देखा गया था।''

झारखंड में वोट के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दे रहा झामुमो नीत गठबंधन : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खूंटी (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो नीत गठबंधन को आड़े हाथ लेते हुए उस पर वोट के लिए राज्य में घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। यहां भारतीय जनता पार्टी की 'परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाते हुए नड्डा ने आरोप लगाया कि घुसपैठिए राज्य में जमीन हड़प रहे हैं और अपना आधार बढ़ा रहे हैं तथा यहां आदिवासी आबादी कम होती जा रही है। उन्होंने कहा, ''राज्य में आदिवासी आबादी कम हो गई है। यह पहले 44 प्रतिशत थी और अब कम होकर 28 प्रतिशत रह गई है। घुसपैठिए और रोहिंग्या यहां जमीन कब्जा कर रहे हैं और आदिवासियों से विवाह कर रहे हैं, वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) वोट के लिए उन्हें संरक्षण प्रदान कर रहा है।''

नड्डा ने कांग्रेस को ''सबसे भ्रष्ट'' पार्टी करार देते हुए कहा कि वह अलगाववादियों और राष्ट्र विरोधी ताकतों को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस सबसे भ्रष्ट पार्टी है, जो अलगाववादियों, राष्ट्रविरोधी ताकतों को बढ़ावा दे रही है और झारखंड में झामुमो-गठबंधन उसके नक्शेकदम पर चल रहा है तथा भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। भाजपा एकमात्र पार्टी है जो आदिवासियों और झारखंड के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। राजद-झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने राज्य में आदिवासियों को धोखा दिया है।'' नड्डा ने कहा कि झारखंड में भाजपा की परिवर्तन रैली आदिवासियों की पहचान, सम्मान और संस्कृति की रक्षा के लिए है।

मुख्यमंत्री ने मेरी बात ध्यान से सुनी : थाने में उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के एक पुलिस थाने में अपने साथ यौन उत्पीड़न होने का आरोप लगाने वाली एक महिला ने कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने उसकी बात ध्यान से सुनी जिसके बाद वह राहत महसूस कर रही है। महिला ने कहा कि अपराध में कथित तौर पर शामिल सात पुलिसकर्मियों को दंडित किए और न्याय मिलने के बाद ही उसे शांति मिलेगी। वह यहां राज्य सचिवालय में पिता और कुछ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद बात कर रही थी। महिला ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने मुझे न्याय की गारंटी दी है। मैं राहत महसूस कर रही हूं। लेकिन मुझे तब खुशी और संतोष होगा जब न्यायिक जांच के माध्यम से मेरे साथ न्याय हो। मुझे खुशी है कि उन्होंने धैर्य से मेरी बात सुनी।'' माझी ने सेना के एक अधिकारी और उनकी मंगेतर को भुवनेश्वर के भरतपुर थाने में कथित रूप से प्रताड़ित किए जाने के मामले में रविवार को न्यायिक जांच का आदेश दिया था। महिला ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने मेरी सभी शिकायतों को सुना। मेरी शिकायत अब भी भरतपुर थाने के उन सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ है जिन्होंने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया।

विधायी संस्थाओं के सहयोग के बिना आत्मनिर्भर और विकसित भारत संभव नहीं : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को विधानमंडलों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया और कहा कि तकनीक के माध्यम से समाज के कल्याण के लिए विधायी संस्थाएं विभिन्न मंचों पर चर्चा करें और जनकल्याणकारी योजनाओं को आकार दें। उन्होंने यहां संसद भवन परिसर में 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने कहा कि विधायी संस्थाओं के सहयोग और समर्थन के बिना आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं है। उनका कहना था कि तेजी से बदलती दुनिया में भारत समावेशी सहभागिता एवं उत्तरदायी शासनव्यवस्था के माध्यम से एक आदर्श लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में उभर सकता है। उन्होंने विधानमंडलों का आह्वान किया कि तकनीक के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए विधायी संस्थाएं विभिन्न मंचों पर चर्चा करें और जनकल्याणकारी योजनाओं को आकार दें। बिरला ने कहा, ''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, जब प्रौद्योगिकी और संचार माध्यम लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं, जनप्रतिनिधियों को लोगों की लोकतंत्र से बढ़ती आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने के तौर-तरीके और साधन विधायी संस्थाओं के माध्यम से खोजने चाहिए।'' भारत की संसद द्वारा पारित ऐतिहासिक कानूनों से भारत में विकास की गति तेज हुई है और इससे भारत की प्रगति और अधिक समावेशी हुई है, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, ''विधायी संस्थाओं के सहयोग और समर्थन के बिना आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं होगा।''

सुर्खियों से दूर भारत के तारणहार साबित होते रहे हैं जडेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अगर आप जसप्रीत बुमराह जैसे विलक्षण नहीं हैं तो फिर रविचंद्रन अश्विन के साथ खेलने वाले गेंदबाजों के लिए इस दिग्गज ऑफ स्पिनर की छाया से बाहर निकलना आसान नहीं होता, फिर भले ही वह रविंद्र जडेजा जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी ही क्यों ना हो।

इस हफ्ते शुरू होने वाले कानपुर टेस्ट में जडेजा के पास टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट और 3000 रन के 'ग्रेंड डबल' को हासिल करने वाले खिलाड़ियों के एलीट क्लब में शामिल होने का मौका होगा। इस ऑलराउंडर के नाम पर अभी 299 विकेट और 3122 रन दर्ज हैं।

भारत के दो खिलाड़ियों अश्विन और कपिल देव सहित अब तक दुनिया के केवल 10 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को हासिल कर पाए हैं। गैरी सोबर्स और जाक कैलिस जैसे महान खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा नहीं हैं लेकिन इसके बावजूद जडेजा को उतनी सुर्खियां नहीं मिलती जितनी इन्हें मिला करती थी। एक तरह से जडेजा का काम करने का तरीका इसका मुख्य कारण है। अश्विन बोलने में तेज हैं और वह प्रेस कांफ्रेंस या अपने यूट्यूब चैनल पर अपने कौशल के बारे में बात करने से नहीं डरते। जडेजा इनमें से कुछ भी नहीं करते। वह रडार की पकड़ में नहीं आने वाले लड़ाकू विमान की तरह अपना काम करते हैं।

हालांकि भारत जब भी मुश्किल में होता है तो जडेजा की लड़ाकू प्रवृत्ति तुरंत सामने आ जाती है। यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की 280 रन की जीत के दौरान भी इसका नजारा देखने को मिला जब 144 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद जडेजा और अश्विन ने सातवें विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी करके भारत को 376 रन तक पहुंचाया। जडेजा ने 86 रन बनाए लेकिन चर्चा अश्विन के घरेलू शतक पर केंद्रित रही। जडेजा ने मैच में पांच विकेट चटकाए लेकिन अश्विन ने दूसरी पारी में छह विकेट हासिल करके यहां भी उन्हें पीछे छोड़ दिया। इस बात पर खूब चर्चा हुई कि अश्विन ने किस तरह से बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के बल्लेबाज शाकिब अल हसन के खिलाफ कोणों का इस्तेमाल करके उन्हें आउट करने की नींव रखी। जडेजा ने भी लिटन दास के साथ ऐसा किया लेकिन उन्हें आउट करने के बारे में शायद ही कोई चर्चा हुई। अश्विन ने दूसरे छोर पर जडेजा के महत्व को तुरंत स्वीकार किया। उन्होंने पहले टेस्ट के बाद कहा, ''वह काफी प्रेरणादायक है। कभी-कभी जब आप अपने साथी क्रिकेटरों के साथ दौड़ में होते हैं तो आप एक-दूसरे से आगे निकलना चाहते हैं। और फिर आप धीरे-धीरे एक-दूसरे की प्रशंसा करने लगते हैं।''

कांग्रेस ने कंगना को हिमाचल सरकार, सोनिया गांधी के खिलाफ आरोप साबित करने की चुनौती दी

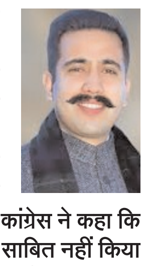

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को मंडी की सांसद कंगना रनौत को चुनौती दी कि वह अपने इस आरोप को साबित करें कि राज्य सरकार ने कर्ज लेकर सोनिया गांधी को पैसे दिए। कांग्रेस ने कहा कि कंगना रनौत ने यदि आरोप साबित नहीं किया तो वह उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर करेगी। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कंगना रनौत की टिप्पणी भाजपा सांसद के ''बौद्धिक दिवालियापन'' को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''इससे बड़ा मूर्खतापूर्ण बयान नहीं हो सकता कि केंद्र से आने वाला धन या राज्य का विकास कोष सोनिया गांधी को दिया जा रहा है।''

मंत्री ने कहा, ''मैं भाजपा सांसद कंगना रनौत को खुली चुनौती देता हूं कि वह एक रुपए के भी दुरुपयोग का सबूत दिखाएं या कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से उनके खिलाफ इस तरह के निराधार और अनुचित आरोप लगाने के लिए माफी मांगें। अन्यथा, कांग्रेस उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेगी।'' भाजपा सांसद कंगना रनौत ने आरोप लगाया था कि हिमाचल प्रदेश सरकार ऋण लेती है और इसे सोनिया गांधी को दे देती है, जिससे राज्य का खजाना ''खाली'' हो गया है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, ''वे कर्ज लेते हैं और सोनिया गांधी को देते हैं जिससे राज्य खाली हो गया है।''

झारखंड में आदिवासी मुख्यमंत्री को हटाने के लिए उसके पीछे पड़े हैं भाजपा नेता : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खूंटी (झारखंड)/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 12 से अधिक मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री एक आदिवासी मुख्यमंत्री को हटाने के लिए उसके पीछे पड़े हैं।

सोरेन ने कहा कि यदि केंद्र झारखंड को 1.36 लाख करोड़ रुपए का बकाया या उसका ब्याज दे दे तो, 'झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' (जेएमएमएसवाई) के तहत वित्तीय सहायता बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह कर दी जाएगी।

सोरेन ने खूंटी जिले में एक सरकारी समारोह 'आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार' को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता झारखंड में 'गिद्धों' की तरह मंडरा रहे हैं। सोरेन का परोक्ष तौर पर इशारा भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' की ओर था। उन्होंने कहा, ''आगामी चुनावों के मद्देनजर देशभर से भाजपा की टोली झारखंड में प्रवेश कर रही है। देश के करीब 12 मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री यहां के एक आदिवासी मुख्यमंत्री को हटाने के लिए उसके पीछे पड़े हैं। देखते हैं कि कौन ज्यादा ताकतवर है, पूंजीपति या राज्य के गरीब।'' उन्होंने कहा कि भाजपा के बड़े नेता झारखंड में घूम रहे हैं और लोगों को हिंदू-मुस्लिम, आदिवासी-गैर आदिवासी, पिछड़ा-अगला के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

सोरेन ने कहा कि उन्होंने सोमवार को भारत सरकार को पत्र लिखकर राज्य का 1.36 लाख करोड़ रुपए का बकाया देने को कहा है।

सोरेन ने कहा, ''मैंने कहा है कि अगर वह हमें पूरा बकाया नहीं दे सकती, तो कम से कम उसका ब्याज तो दे दे। यदि हमें ब्याज भी मिल जाता है, तो हम जेएमएमएसवाई के तहत सहायता राशि 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए कर देंगे।''

झारखंड में गड्ढे में फंसी शिवराज सिंह चौहान की कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहरागोड़ा/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की कार सोमवार को झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में भारी बारिश के बीच एक गड्ढे में फंस गई।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब हुई, जब शिवराज बहरागोड़ा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन' रैली को संबोधित करने के बाद हेलीपैड लौट रहे थे।

पुलिस ने बताया कि भारी बारिश के बीच चालक पानी से भरी सड़क पर गड्ढों का अंदाजा नहीं लगा सका, जिससे कार फंस गई।

कार फंसने के बाद शिवराज छाता लेकर बाहर आए और स्थानीय लोगों से बात की।

उपसंभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अजित कुमार कुजूर ने बताया कि शिवराज सुरक्षित रूप से हेलीपैड पहुंचे और हेलीकॉप्टर से रांची लौट गए।

क्या फारूक अब्दुल्ला खुद को पाकिस्तान सरकार का पीआरओ समझते हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

क्या फारूक अब्दुल्ला खुद को पाकिस्तान सरकार का पीआरओ समझते हैं: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या वह खुद को पाकिस्तान सरकार का 'स्वयंभू दूत या पीआरओ' (जन संपर्क अधिकारी) मानते हैं क्योंकि वह भारत और पड़ोसी देश के बीच वार्ता का आह्वान करते रहते हैं।

भाजपा महासचिव एवं केंद्रशासित प्रदेश के प्रभारी तरुण चुघ ने एक बयान में आरोप लगाया कि नेशनल कांफ्रेंस के नेता ने जम्मू-कश्मीर की प्रगति एवं विकास से ज्यादा पाकिस्तान के मुद्दे की वकालत की। उन्होंने पूछा, ''क्या फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान सरकार के स्वयंभू दूत या पीआरओ हैं, जो जम्मू-कश्मीर की प्रगति और विकास के बारे में बात करने से ज्यादा पाकिस्तान के मुद्दे की वकालत करते रहते हैं?''

आतंकवाद के साथ-साथ वार्ता जारी नहीं रखे जाने संबंधी केंद्र सरकार के दृष्टिकोण पर जोर देते हुए चुघ ने कहा कि यह अजीब है कि अब्दुल्ला यह जानते हुए भी 'राष्ट्र विरोधी' भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं कि पाकिस्तान पूरी दुनिया के लिए आतंकवाद की फैक्ट्री है।

ओडिशा : सैन्य अधिकारी व महिला मित्र ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने यहां एक पुलिस थाने में कथित दुर्व्यवहार के पीड़ित एक सैन्य अधिकारी और उसकी मंगेतर से सोमवार को मुलाकात की। इससे एक दिन पहले राज्य सरकार ने इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए। दोनों ने सोमवार सुबह राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित लड़की के पिता भी मौजूद थे।

माझी से मुलाकात के बाद महिला के पिता ने कहा, ''हमने ओडिशा सरकार से न्यायिक जांच का अनुरोध किया था और इसे मान लिया गया। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं और इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हैं।'' मुख्यमंत्री ने यहां भरतपुर थाने में एक सैन्य अधिकारी को कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने और उसकी मंगेतर के ''यौन उत्पीड़न'' के मामले की न्यायिक जांच का रविवार शाम आदेश दिया था।

राज्य सचिवालय में सोमवार शाम हुई बैठक में उपमुख्यमंत्री के वी सिंह देव और राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी के साथ कुछ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश चितरंजन दास की अध्यक्षता में एक जांच आयोग गठित किया है।

पंत ने गिल के साथ साझेदारी पर कहा, मैदान के बाहर की दोस्ती मैदान पर काम आई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन गिल के साथ सफल साझेदारी के रहस्य का खुलासा करते हुए कहा कि दोनों के बीच मैदान के बाहर की दोस्ती से मैदान पर काफी मदद मिली।

पंत और गिल दोनों पहली पारी में नहीं चल पाए थे लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 167 रन की साझेदारी की जिसका आखिर में मैच के परिणाम पर असर पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें पंत ने कहा, ''जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए काफी मदद मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे तथा बेहद सहज थे। आखिर में हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है।'' दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले पंत ने कहा, ''मेरी खेल की समझ यह कहती है कि आप जहां भी खेल रहे हों, आपके खेल में सुधार होना चाहिए। इसलिए मैं टीम की मदद करने की कोशिश कर रहा था और यह शानदार रहा। मैंने इसका पूरा लुत्फ उठाया।'' इस 26 वर्षीय क्रिकेटर ने 128 गेंद पर 109 रन बनाए जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल हैं। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अपने रक्षात्मक और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया। पंत ने अपनी वापसी के बारे में कहा, ''मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मेरे अंदर अपनी छाप छोड़ने की ललक थी और आखिर में मैं इसमें सफल रहा और मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।'' भारत ने पहला टेस्ट मैच 280 रन से जीता। दूसरा और अंतिम मैच 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।

पिता ने गर्म चिमटे से बेटी को दागा, गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांदा (उप्र)/भाषा। उप्र के ललितपुर में बच्चों के साथ खेलने पर एक व्यक्ति ने 11 साल की बेटी को गर्म चिमटे से कई जगह दाग दिया। पुलिस ने सोमवार को मामला दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सौजना थाने की प्रभारी निरीक्षक पारुल सिंह चंदेल ने बताया कि थाना क्षेत्र के बारौन गांव में रामस्वरूप उर्फ रमसू की 11 साल की बेटी हमउम्र बच्चों के साथ घर में खेल रही थी। इसी दौरान पोई की भाजी बकरियों ने गिरा दी। उन्होंने बताया कि इसी से नाराज रमसू ने चूल्हे के पास रखे गर्म चिमटे से बेटी की हथेली और शरीर के कई अंगों को दाग दिया। बचाने आए बच्ची के बाबा को भी बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। एसएचओ चंदेल ने बताया कि सोमवार को बच्ची के बाबा ललंजू की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर रामस्वरूप उर्फ रमसू को गिरफ्तार कर लिया और बच्ची को अस्पताल भेजा गया है।

सुविचार

जीवन के सफर में जरुरत होती है थोड़े संघर्षों की, जिससे हम बड़े होते हैं और जिंदगी समझ पाते हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

त्याग या 'व्यक्ति-पूजा'?

दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रभार संभालते ही एक ऐसी प्रथा की शुरुआत कर दी, जिससे यथासंभव बचना चाहिए था। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी पर नहीं बैठने का फैसला कर उसे खाली रखा और अपने लिए दूसरी कुर्सी मंगवाई। वे इस फैसले को रामायण के प्रसंग से जोड़ रही हैं। वास्तव में इस तरह के फैसले से 'व्यक्ति–पूजा' का सिलसिला चल पड़ता है, जिसे बाद में रोकना बड़ा मुश्किल होता है। यह दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी है, न कि आम आदमी पार्टी के दफ्तर की। हालांकि पार्टी दफ्तर में भी ऐसी प्रथाओं से बचना चाहिए। अपने वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करना अच्छी बात है, लेकिन उन्हें इतना ज्यादा महिमा–मंडित भी नहीं करना चाहिए कि भगवान श्रीराम और उनके भ्राता भरत से समानता बैठाने लगें। प्रभु श्रीराम भगवान हैं। उन्होंने त्याग, तपस्या, सत्य, वचनबद्धता, न्याय, मर्यादा, क्षमा, साहस जैसे अनेक आदर्शों को स्थापित किया था। अगर नेतागण उनमें से दो–चार आदर्शों को भी जीवन में उतार लें तो यह धरती स्वर्ग बन जाए। भगवान ने अपने पिताश्री के वचन का मान रखने के लिए सिंहासन स्वीकार नहीं किया और वन में चले गए थे। वहीं, भ्राता भरत एक तपस्वी की तरह सिंहासन पर भगवान की खड़ाऊ रखकर शासन चलाते रहे। आज राजनीति में ऐसे आदर्शों को मानने वाले कहां हैं? आतिशी उक्त प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहती हैं कि 'आज मेरे मन में वो ही व्यथा है, जो भरत के मन में थी, जब उनके बड़े भाई भगवान श्रीराम 14 साल के वनवास पर गए थे और भरत को अयोध्या का शासन संभालना पड़ा था।' वैसे यह बात यहां जुड़ती नहीं है। केजरीवाल को कुर्सी इसलिए छोड़नी पड़ी थी, क्योंकि वे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप में जेल गए थे। जांच एजेंसी उन्हें बार–बार बुलाती रही, लेकिन वे कभी नोटिस में मीन–मेख निकालते, कभी व्यस्तता गिनाकर कल–परसों पर टालते रहे। अभी वे जमानत पर बाहर हैं। इसमें त्याग और तपस्या जैसे आदर्श कहां हैं?

आतिशी यह भी कहती हैं कि 'जैसे भरत ने 14 साल भगवान श्रीराम की खड़ाऊ रखकर अयोध्या का शासन संभाला, वैसे ही मैं 4 महीने दिल्ली की सरकार चलाऊंगी।' क्या 'आप' सरकार अपने अन्य फैसलों में भी भगवान श्रीराम के आदर्शों का पालन करेगी? क्या प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी? 'आप' सरकार महिला सुरक्षा के लिए क्या करने जा रही है? भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का बिगुल बजाकर सत्ता में आई 'आप' क्या उन पार्टियों से कभी गठबंधन न करने का वचन देगी, जिन्हें कभी केजरीवाल और सिसोदिया विभिन्न मंचों पर कागज (कथित सबूत) लहराते हुए कोसते थे? अगर आदर्शों की बात करते हैं तो उन्हें निभाने का साहस जरूर दिखाना चाहिए। उन्हें 'व्यक्ति–पूजा' का माध्यम नहीं बनाना चाहिए। अगर आतिशी अपने दफ्तर में एक कुर्सी (केजरीवाल की) खाली रखेंगी और दूसरी पर खुद बैठेंगी तो इससे लोगों में यह संदेश जा सकता है कि दिल्ली सरकार में 'दो पावर' सेंटर हैं ... आतिशी को तो कुर्सी पर 'बैठाया' गया है, जबकि असली मुख्यमंत्री केजरीवाल ही हैं!' वैसे राजनीति में 'बड़े नेता' के कुर्सी छोड़कर अपनी पार्टी के किसी अन्य नेता को बैठाने, कालांतर में उनके बीच खटपट होने के किस्से भी बहुत हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साल 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया और जीतनराम मांझी को कुर्सी सौंप दी थी। बाद में मांझी के तेवर बदल गए थे। ताजा उदाहरण झारखंड का है, जहां हेमंत सोरेन जेल गए तो चंपई सोरेन को कुर्सी मिली थी। हेमंत वापस लौटे तो दोनों नेताओं के रास्ते जुदा हो गए। आतिशी अपने दफ्तर में केजरीवाल की कुर्सी खाली रखेंगी तो इससे यह जरूर माना जा सकता है कि वे खुद को मानसिक रूप से तैयार कर रही हैं कि यहां 'कुछ ही समय' के लिए हैं, लिहाजा कुर्सी से लगाव पैदा नहीं होना चाहिए, लेकिन इससे सरकार चलाने में 'व्यक्ति–पूजा' और 'पार्टीभक्ति' ज्यादा झलकती है। इससे जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की भावना पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

ट्वीटर टॉक

बेशर्मी से बदजुबानी करने वाले केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू का जयपुर में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। शांतिपूर्वक विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन डरी हुई भाजपा सरकार हर विरोध को कुचलना चाहती है।

–गोविंद सिंह डोटासरा

आज खूंटी की पवित्र धरती से इस 'परिवर्तन यात्रा' को शुरुआत करने का सौभाग्य मिला है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह 'परिवर्तन यात्रा' अपनी सफलता के प्राप्त करेगी और परिवर्तन का हमारा संकल्प साकार स्वरूप प्राप्त करेगा

–जेपी नड्डा

ऐतिहासिक महाविजय की गूंज है यह जनसैलाब! जम्मू कश्मीर प्रवास के दौरान आज जम्मू स्थित कठुआ जिला में बनी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री जीवन लाल जी के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

कन्या से समृद्धि

एक बार नारदजी की इच्छा हुई कि गोकुल पहुंचकर बालकृष्ण के दर्शन किए जाएं। वे नंद बाबा के घर जा पहुंचे। उन्होंने पलंग पर मस्ती भरी नींद ले रहे बालकृष्ण की सुंदर छवि देखी, तो भाव विभोर हो उठे। उन्होंने दोनों हाथ जोड़कर मस्तक झुकाकर उन्हें प्रणाम किया। नंदजी यह दृश्य देखकर हतप्रभ रह गए। नारदजी ने कहा, 'इन्हें साधारण बालक न समझना। शिव और ब्रह्मा भी इनसे सदा प्रेम रखेंगे। यह दिव्य बालक ऐसी लीलाएं करेगा कि तीनों लोक चमत्कृत हो उठेंगे। तुम्हारा कुल अमर हो जाएगा।' नंद बाबा के मित्र भानुजी ने यह दृश्य देखा, तो उनकी इच्छा हुई कि वे भी अपने पुत्र व पुत्री को देवर्षि का आशीर्वाद दिलाएं। नारदजी उनके घर गए। भानु अपने पुत्र को उनके पास लाए। नारदजी ने उसे आशीर्वाद दिया और कहा, 'कन्या के भी दर्शन कराओ।' वे उन्हें कमरे में ले गए। छोटी–सी बच्ची का अद्भुत रूप देखकर देवर्षि चकित हो उठे। दर्शन करते ही वे समझ गए कि यह कन्या साक्षात देवी स्वरूपा है। उन्होंने उसकी परिक्रमा की। उसके चरण स्पर्श करते ही देवर्षि के नेत्रों से अश्रु प्रवाहित होने लगे। उन्होंने भानु से कहा, 'जिस घर में कन्या का प्रेमपूर्वक पालन किया जाता है, वह घर सदैव सुख–समृद्धि से परिपूर्ण रहता है।

सामयिक

श्रद्धा के बिना अधूरा है श्राद्ध

योगेश कुमार गोयल

फोन : 9416740584.

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी–खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर–परिवार में सुख–समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ–साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण–श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता–पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है।

ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है।

महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई–झगड़ा, वाद–विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है। पितरों के निमित्त आयोजित किए जाने वाले पितृ पक्ष को आत्मबोध के लिए भी अति उत्तम तथा जीवन के संघर्ष को उत्कर्ष में परिवर्तित करने का समय माना गया है। हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार श्रद्धा से किया गया श्राद्ध पूर्वजों तक पहुंचे या न पहुंचे लेकिन यह जीवन में उन्नति और प्रगति के द्वार अवश्य खोल सकता है।

मंथन

सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

आर.के. सिन्हा

भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि; सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार– पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल क़ॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल–जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं। क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर–दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है।

वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए।

अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

देश की स्त्रियों के मूल अधिकारों की विडंबना

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

देश की विशाल जनसंख्या में लगभग 50 प्रतिशत की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं, बहनें अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा।

भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी के निर्वाचित होने के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति चयनित होने के साथ–साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45 से 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही है। आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थी। अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं।

नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता है। परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण है। महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी है। सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैं और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया है।

महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं। किंतु उनकी शक्ति को उनकी भागीदारी को अंततः स्वीकार किया गया और 1992 में पहली बार भारतीय सेना में महिलाओं के लिए द्वार खोले गए एवं 25 महिला कैंडिडेट को ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी गया में ट्रेनिंग दी गई इसके पूर्व सिर्फ चिकित्सा सेवा में महिलाओं को नियुक्त किया जाता रहा है। सेना में इनकी भागीदारी होते हुए भी इन्हें पुरुषों के समान अधिकार नहीं दिए गए थे, महिलाएं रक्षा सेवा में विधिक, शिक्षा, इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंस तथा ऐयर सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं देती रही हैं। महिलाओं को केवल शॉर्ट सर्विस कमिशन जाने की 14 साल तक के लिए कमीशन किया जाता रहा जबकि पूरे समय के लिए केवल पुरुषों को ही सेना में भर्ती किया जाता थाश्र 2008 में उच्च न्यायालय के निर्देश पर महिलाओं को परमानेंट कमिशन पर रखा जाने लगा।

यह नारी सशक्तिकरण के लिए एक सशक्त मील का पत्थर साबित हुआ। सेना की सैन्य प्रमुखों की समिति ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की नियुक्ति पर स्थाई कमीशन की सिफारिश तो की किंतु इन्हें लड़ाकू सैनिकों की भूमिका देने से इनकार कर दिया उसके पीछे यह दलील दी गई की महिलाओं को लड़ाई के मैदान में भेजना उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए ठीक नहीं एवं देश की संस्कृति के अनुसार महिलाओं को दुश्मन से लड़ने भेजना अथवा दुश्मन द्वारा पकड़े जाने पर उचित नहीं होगा। इसलिए महिलाओं को फ्रंटलाइन में नियुक्त किया जाना उचित नहीं होगा किंतु बाद में कुछ संशोधन किए जाने के पश्चात महिला अधिकारी कॉम्बैट जोन में पदस्थ की जाने लगी किंतु समाज का नजरिया महिलाओं के संदर्भ में बदलने लगा एवं 2016 में सशस्त्र बलों के कॉम्बैट क्षेत्र में महिलाओं को नियुक्ति देने की बात स्वीकार की गई इसमें दुनिया में कुछ देश ही हैं जिन्होंने महिलाओं को वार फ्रंट पर नियुक्त किया है। पूर्व के थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भी कहा था कि हम महिला और पुरुष को समान रूप से देखना चाहते एवं इसके लिए जल थल और वायु सेना एक रूपरेखा तैयार कर रही है जिसके सुखद परिणाम भी होंगे,सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी मजबूत रूप से सामने आएगी एवं पुरुषों की भांति देश की रक्षा तथा दुश्मनों से लोहा लेने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एमजी विंडसर की कीमतें घोषित, आकर्षक फीचर्स के साथ मिलेंगी कई सुविधाएं

गुरुग्राम/दक्षिण भारत। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हाल ही में लॉन्च की गई एमजी विंडसर की कीमतों की घोषणा की। इसकी शुरुआती कीमत 13,49,800 रुपए (एक्स-शोरूम) है। भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी सेडान के आराम और एसयूवी के विस्तार को जोड़ती है, जो ग्राहकों को शानदार बिजनेस-क्लास अनुभव उपलब्ध कराती है। इस सीयूवी को भविष्योन्मुखी एयरोडायनैमिक डिजाइन, विशाल और भव्य इंटीरियर, अच्छी सुरक्षा, स्मार्ट कनेक्टिविटी, आरामदेह ड्राइविंग और कई उच्च तकनीकी सुविधाओं के साथ पेश किया गया है।

इसके अलावा, ग्राहकों के लिए विभिन्न सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। जैसे- पहले मालिक के लिए बैटरी पर आजीवन वारंटी, तीन साल के बाद 60 प्रतिशत बायबैक का आश्वासन और एमजी ऐप द्वारा ईएचयूबी का उपयोग करके सार्वजनिक चार्जर्स पर एक साल की मुफ्त चार्जिंग। विंडसर चार रंगों के विकल्पों स्टारबर्स्ट ब्लैक, पर्ल व्हाइट, क्ले बेज और टर्कुएज़ ग्रीन में उपलब्ध होगी।

एमजी विंडसर की एक्स-शोरूम कीमतें एक्साइट के लिए 13,49,800 रु., एक्सक्लूसिव के लिए 14,49,800 रु., एसेंस के लिए 15,49,800 रु. हैं। इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सतिंदर सिंह बाजवा ने कहा, 'एमजी विंडसर अपनी आकर्षक पैकेजिंग और मूल्य निर्धारण के माध्यम से ग्राहकों को ईवी जीवनशैली में अपग्रेड करने में सक्षम बनाएगी। हमें विश्वास है कि इससे अधिक संभावित ग्राहक इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित होंगे, जिससे हरित भविष्य की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी।'

कंपनी ने बताया कि विंडसर में एयरोग्लाइड डिजाइन भाषा का प्रयोग किया गया है, जो भविष्योन्मुखी है। इंटीरियर शानदार है, जिसमें विशाल एयरो लाउंज सीटें हैं, जिन्हें 1350 तक झुकाया जा सकता है।

इसमें विशाल इन्फिनिटी व्यू ग्लास रूफ है, जो बिजनेस क्लास के अनुभव को और बढ़ा देती है। इमर्सिव एंटरटेन्मेंट और स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स सेंट्रल कंसोल में 15.6'' ग्रैंडव्यू टच डिस्प्ले द्वारा संचालित हैं। एमजी विंडसर 38 केडब्ल्यूएच ली-आयन बैटरी पैक के साथ उपलब्ध है, जो आईपी6% प्रमाणित है। यह चार ड्राइविंग मोड (इको+, इको, नॉर्मल और स्पोर्ट) के माध्यम से 100 केडब्ल्यू (136पीएस) पावर और 200एनएम टॉर्क का प्रदर्शन प्रदान करती है। इसके परिणामस्वरूप एक बार चार्ज करने पर 332 किमी की एआरएआई प्रमाणित रेंज मिलती है।

फिल्म 'लापता लेडीज' की ऑस्कर 2025 में एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार किरण राव की फिल्म लापता लेडीज को ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया है। भारत ने आधिकारिक तौर पर 97वें अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी के लिए 'लापता लेडीज' को अपनी प्रविष्टि के रूप में चुना है।यह घोषणा फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) के निर्णायक मंडल द्वारा की गई।किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म का उद्देश्य वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करते हुए महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालना है। अपनी खुशी को साझा करते हुए, आरआईएल की मीडिया और कंटेंट बिजनेस हेड ज्योति देशपांडे ने कहा, ऑस्कर के लिए भारत की प्रविष्टि के रूप में 'लापता लेडीज़' का चयन किया जाना मेक इन इंडिया और दुनिया को दिखाने के हमारे विजन और प्रतिबद्धता का एक सच्चा प्रमाण है... इस फिल्म को पहले से ही दुनिया भर के दर्शकों से असीमित प्यार मिला है और यह प्रदर्शन से ओटीटी पर वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक बन गयी है, जियो स्टूडियोज भारत को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा और मैं इस सम्मान और विशेषाधिकार के लिए फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया को धन्यवाद देती हूं।

'लापता लेडीज' ग्रामीण भारत में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के विषयों पर आधारित एक फिल्म है। फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है, जो 2001 में ट्रेन यात्रा के दौरान अनजाने में बदल जाती हैं। प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और नितांशी गोयल अभिनीत इस फिल्म में एक मार्मिक कथा के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी है। जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज़ का निर्देशन किरण राव ने किया है और इसका निर्माण आमिर खान, किरण राव और ज्योति देशपांडे ने किया है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में 'लापता लेडीज' को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया, जिसमें न्यायाधीश, उनके परिवार और अधिकारी शामिल हुए। उस कार्यक्रम में राव ने फिल्म की स्क्रीनिंग में मुख्य न्यायाधीश की पहल के लिए आभार व्यक्त किया। मार्च में रिलीज़ हुई इस फिल्म में रवि किशन, छाया कदम और गीता अग्रवाल शर्मा ने भी अभिनय किया है। इस साल 96वें ऑस्कर के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर है। सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर के लिए शॉर्टलिस्ट 17 दिसंबर को जारी की जाएगी और नामांकन 17 जनवरी, 2025 को घोषित किए जाएंगे। अकादमी पुरस्कार 02 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाले हैं।

फिल्म 'मातृ देवो भव' में नजर आएंगी आम्रपाली दुबे

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे फिल्म मातृ देवो भवः में काम करती नजर आयेंगी। फ़िल्म मातृ देवो भवः की शूटिंग इसी महीने सितम्बर की 25 तारीख से उत्तरप्रदेश के अंबेडकर नगर में की जाएगी। इस फ़िल्म में आम्रपाली दुबे मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी। निर्माता- निर्देशक मछिंद्र चाटे ने बताया कि मातृ देवो भवः बेहद ही खूबसूरत फ़िल्म होगी और यह एक पारिवार के अंदर विभिन्न विचारधारा के लोगों के आपसी सामंजस्य को लेकर खींचतान पर आधारित फिल्म होगी , जिसमें रिश्तों को निभाने और उसमें कड़वाहट को चरितार्थ करने की कहानी को भी दिखाया जाएगा। इस फ़िल्म में माँ की ममता को उजागर करते हुए दिखाया जाएगा कि किस तरह से इस घनघोर आर्थिक युग मे भी माँ अपने सपनों को तिलांजलि देकर भी अपने संतान की सुख के लिए हर कष्ट उठाने को तैयार रहती है। फ़िल्म में इमोशन और रोमांच के साथ मनोरंजन भी भरपूर मात्रा में दर्शकों को देखने को मिलेगा। देवयानी मूवीज के बैनर तले बनने वाली फिल्म मातृ देवो भवः के निर्माता-निर्देशक मछिंद्र चाटे हैं। फ़िल्म के गीत सभा वर्मा ने लिखे हैं। वहीं इसे संगीत से साजन मिश्रा ने सजाया है। फ़िल्म के छायाकार फिरोज खान और फाइट मास्टर हीरा यादव, नृत्य निर्देशक आकाश सेठी, ,प्रोडक्शन हेड सागर शेलखे हैं। फ़िल्म मातृ देवो भवः में आम्रपाली दुबे, डॉ महेश कुमार , मनोज टाईगर, संजय पाण्डेय , लोटा तिवारी, देव सिंह, अनूप अरोड़ा, स्वीटी सिंह राजपूत , रम्भा साहनी और बबलू खान की अहम भूमिका होगी।

प्रधानमंत्री मोदी और कंपनियों के सीईओ के दृष्टिकोण में सामंजस्य है : एमआईटी के शिक्षाविद

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा

अमेरिका में एक प्रख्यात शिक्षाविद ने कहा है कि सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धमत्ता (एआई) और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के दृष्टिकोण में ''जबरदस्त सामंजस्य'' देखने को मिला। मोदी ने शनिवार को यहां विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ के साथ गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लिया। गोलमेज सम्मेलन का आयोजन करने वाले 'मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग' के प्रोफेसर और संस्थान में मुख्य नवाचार एवं रणनीति अधिकारी तथा 'एमआईटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग' के डीन अनंत चंद्रकासन ने इसकी मेजबानी की। प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ के साथ गोलमेज सम्मेलन के समापन के बाद चंद्रकासन ने रविवार को यहां पीटीआई-भाषा के साथ विशेष साक्षात्कार में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका एवं दुनिया में कुछ अत्यंत प्रभावी प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ के साथ सम्मेलन का आयोजन तथा इसकी मेजबानी करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है।''

उन्होंने कहा कि सम्मेलन जैव प्रौद्योगिकी, फार्मा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी सहित ''व्यापक विषयों'' पर केंद्रित था। चंद्रकासन ने कहा, ''मुझे इस बात ने सबसे अधिक प्रभावित किया कि सीईओ ने अपनी प्रौद्योगिकी और नेतृत्व संबंधी दिशा-निर्देशों के बारे में बात की, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वे आज भारत में क्या कर रहे हैं तथा वे और क्या-क्या करना चाहेंगे। यह वास्तव में प्रभावित करने वाली बात थी कि वे अमेरिका और भारत के बीच काम करने को उत्सुक हैं। इसलिए यह हैरान करने वाला था।'' उन्होंने कहा कि ''यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण था कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के लिए अपने दृष्टिकोण का वर्णन किया, तो उन्होंने कौशल, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग, जैव प्रौद्योगिकी के बारे में बात की। बहुत समान प्रकार के लक्ष्य थे और मैंने देखा कि प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ जो कह रहे थे और प्रधानमंत्री मोदी का जो दृष्टिकोण था, उनमें सामंजस्य था।''

राहत शिविर

कोलकाता में सोमवार को गंगा मिशन और चिंशुरा आरोग्य की ओर से हुगली जिले के बाढ़ ग्रस्त इलाके आरामबाग उपमंडल के खानाकुल की राधानगर ग्रामपंचायत में राहत शिविर का आयोजन किया गया।

अभिनेता महेश बाबू ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 50 लाख रुपये दान किए

हैदराबाद/एजेन्सी

टॉलीवुड अभिनेता महेश बाबू ने सोमवार को तेलंगाना में बाढ़ राहत प्रयासों में मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 50 लाख रुपये दान किये। महेश बाबू और उनकी पत्नी नम्रता शिरोडकर ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर चेक भेंट किया। महेश बाबू ने शहर के गाचीबोवली में सारथ सिटी कैपिटल मॉल स्थित अपने स्वामित्व वाले एएमबी सिनेमा की ओर से 10 लाख रुपये और दान किए। अभिनेता दंपती ने श्री रेड्डी के आवास पर मंत्री सीताक्का से भी मुलाकात की।

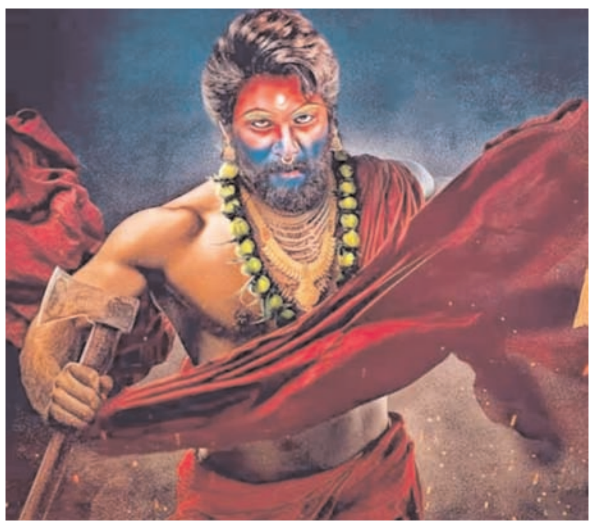

'पुष्पा 2' का रोमांचक पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म पुष्पा 2 का रोमांचक पोस्टर रिलीज हो गया है। पुष्पा 2: द रूल इस साल की सबसे ज़्यादा प्रतीक्षित फ़िल्म है।दिलचस्प बात यह है कि फ़िल्म अब अपनी रिलीज़ से सिर्फ़ 75 दिन दूर है, और जल्द ही दुनिया पुष्पा और उनके बेमिसाल जलवे को बड़े पर्दे पर देखेगी। पुष्पा 2: द रूल के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पर अल्लू अर्जुन का एक रोमांचक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें वे पुष्पराज के रूप में नज़र आ रहे हैं, जिसमें उनका सिग्नेचर स्वैग साफ़ झलक रहा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा 75 दिन में दुनिया को पुष्पा और उनकी बेमिसाल आभा को बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा ।पुष्पा 2 द रूल भारतीय सिनेमा में एक अभूतपूर्व अध्याय लिखेगा द रूल 6 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पुष्पा 2: द रूल 06 दिसंबर 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सुकुमार द्वारा निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत टी सीरीज का है।

भाषा दिवस

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा नई दिल्ली में सांकेतिक भाषा दिवस समारोह में भाग लेते हुए।

दिसानायके ने श्रीलंका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली, 'पुनर्जागरण' का नया युग लाने का वादा किया

कोलंबो/भाषा

मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने सोमवार को श्रीलंका के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली और कहा कि वह अपने देश में ''पुनजार्गरण'' की शुरुआत करेंगे। दिसानायके (56) ने सोमवार को श्रीलंका के नौंवे राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति सचिवालय में उन्हें शपथ दिलायी। दिसानायके ने चुनाव जीतने के बाद पहली बार देश को संबोधित करते हुए जनादेश का सम्मान करने और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे का आभार जताया। उन्होंने शपथ ग्रहण करने के बाद दिए संबोधन में कहा, ''मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि मैं लोकतंत्र को बचाने और नेताओं का सम्मान बहाल करने की दिशा में काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा क्योंकि लोगों के बीच नेताओं के आचरण को लेकर संदेह है।'' दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका अलग-थलग नहीं रह सकता और उसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि वह कोई जादूगर नहीं हैं बल्कि उनका उद्देश्य आर्थिक संकट से जूझ रहे देश को ऊपर उठाने की सामूहिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनना है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं कोई जादूगर नहीं हूं। मैं इस देश में जन्मा आम नागरिक हूं। मुझमें क्षमताएं और अक्षमताएं हैं। मैं कुछ चीजें जानता हूं और कुछ नहीं जानता। मेरा पहला काम लोगों की प्रतिभाओं का इस्तेमाल करना और इस देश का नेतृत्व करने के लिए बेहतर निर्णय लेना है।'' उन्होंने कहा, ''मैं सामूहिक जिम्मेदारी में एक योगदानकर्ता बनना चाहता हूं।'' शपथ ग्रहण समारोह के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में दिसानायके ने कहा, ''मैं इस देश में पुनर्जागरण के एक नए युग की शुरुआत करने की आपकी जिम्मेदारी को पूरा करने का वादा करता हूं और मैं इसमें आपके सामूहिक योगदान की आशा करता हूं।'' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उन्हें बधाई दिए जाने पर उनका आभार जताया और कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता का समर्थन करते हैं। दिसानायके ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी, आपके स्नेहपूर्ण शब्दों और समर्थन के लिए धन्यवाद।

संबोधन

नई दिल्ली में सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए विधानमंडलों की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया।

ईशा देओल ने लंबे समय बाद 'वंदे भारत ट्रेन' से किया सफर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा देओल लंबे समय के बाद ट्रेन की सवारी करती नजर आई। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए बताया कि वह 'वंदे भारत ट्रेन' में सफर कर रही है। अभिनेत्री ईशा देओल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अभिनेत्री को अपनी ट्रेन राइड के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है। ईशा ने वीडियो में ट्रेन में चढ़ने के से लेकर मुंबई सेंट्रल और कुछ सेल्फी के जरिए अपने कुछ शानदार पल शेयर किए। बता दें कि अभिनेत्री ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि वह आखिर 'वंदे भारत ट्रेन' में सफर करके कहां जा रही हैं। इस वीडियो क्लिप में अभिनेत्री कह रही हैं, मैं बहुत लंबे समय बाद ट्रेन की सवारी कर रही हूं। हम वंदे भारत से जा रहे हैं। अभिनेत्री ईशा देओल ने इस पोस्ट को ट्रेन राइड ,ट्रैवलडायरीज ,ट्रेनराइड, मुंबई सेंट्रल , वंदेभारत ,वर्कमोड ,स्मूथराइड ,रीलिटफीलिट ,ट्रेंडिंगरील्स ,इंडिया ,हूडी , माईस्टाइल, इंडियन इंफ्रास्ट्रक्चर ,एटिटसबेस्ट ,चिल और लव जैसे हैशटैग के साथ पोस्ट किया। बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेलवे द्वारा संचालित एक मध्यम दूरी की सुपरफास्ट एक्सप्रेस सेवा है। यह ट्रेन सरकार की ओर से चलाई जा रही 'मेक इन इंडिया' की पहल का एक हिस्सा है। इसकी व्यावसायिक सेवा 15 फरवरी 2019 को शुरू की गई। अगर ईशा देओल के करियर की बात करें तो उन्होंने 2002 में विनय शुक्ला की कोई मेरे दिल से पूछे से अपनी अभिनय यात्रा की शुरुआत की। इसके बाद अभिनेत्री को सैफ अली खान और ऋतिक रोशन के साथ ना तुम जानो ना हम जैसी फिल्मों में देखा गया। सीनियर स्टार कपल हेमा मालिनी और दिग्गज स्टार धर्मेंद्र की बेटी को इसके बाद तुषार कपूर के साथ क्या दिल ने कहा में देखा गया। 2003 की उनकी पहली दो फिल्में कुछ तो है और चुरा लिया है तुमने पर्दे पर आई थी।

इसके बाद उन्हें एलओसी: कारगिल, युवा, धूम, नो एंट्री, डार्लिंग और केकवॉक जैसी फिल्मों में देखा गया। उन्हें पिछली बार 2019 में लघु फिल्म केकवॉक में देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राम कमल मुखर्जी ने किया था। फिल्म में तरुण मल्होत्रा, अनिंदिता बोस, सिद्धार्थ चटर्जी और डिंपल आचार्य भी हैं। फिल्म में ईशा ने एक शेफ की भूमिका निभाई थी इसमें उन्होंने समाज में एक महिला की पेशेवर और व्यक्तिगत यात्रा को दिखाया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 24-09-2024
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

आत्मरमण में प्रवेश करना है तो शून्य का सृजन करो : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में सोमवार को पुच्छिस्सुणं संपुट की तेरहवीं गाथा का जाप हुआ। इस गाथा की विवेचना करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मरमण में प्रवेश करना है तो हमें शून्य का सृजन करना है, यह बहुत बड़ी साधना है। हमारी अवस्था यह है कि हम हमारे मन को शून्य नहीं बनाते। हम लोग जीवन में उलझ, भटक, अटक जाते हैं। हम शून्य में नहीं रहते। उन्होंने कहा साधना एकांत में होती है। प्रभु साधना एकांत में करते थे। आपने कभी सोचा है दु:ख का कारण ज्ञान का अभाव है। जितना आत्मरमणता में सुख है, उतना बाहरी दुनिया में नहीं। जितना बोध में सुख है, उतना बाहर की दुनिया में सुख नहीं है। परमात्मा ने एकांत में साधना कर ज्ञान को प्रकट किया। महावीर पहले अकेले में थे और जब भी भीड़ में थे, तब भी वे अकेले थे। यह होता है साधना का स्वरूप।

उन्होंने कहा यह गाथा अपने आप में विशिष्ट अर्थ लिए हुए है। मेरु पर्वत की तुलना परमात्मा के गुणों को दर्शाती है। मेरु पर्वत पृथ्वी के बीचोबीच स्थित वह श्रेष्ठ पर्वत है, जो सूर्य के समान तेजोपुंज से प्रकाशित है। इसी प्रकार की शोभा से मानो वह सूर्य संपूर्ण विश्व को लुभाने वाला है। ऐसा वर्णन मेरु पर्वत का किया गया है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह माता भूमि की तरह होती है। पृथ्वी हमारा कितना बोझ झेलती हैं। केवल बोझ ही नहीं, आज के इस भौतिक विकास में भौतिक सुख पाने की होड़ में पृथ्वी पर कितना अत्याचार होता रहा है। इसे कितना खोदा जा रहा है। कितने कैमिकल का सींचन हो रहा है। फिर भी वह क्षमा का पुंज है।

उन्होंने कहा प्रभु मानव जाति उद्धार, उत्थान ही नहीं बल्कि मानव जाति में प्रज्ज्वलित कुप्रथाओं को दूर करने वाले हैं। आज सबको येन-केन-प्रकरेण प्रसिद्धि में आना है। मन में रही हुई सुप्त इच्छाएं पाने के लिए मानव कुछ भी करता है। गोसाला प्रभु महावीर के शिष्य के रूप में अपना परिचय देता था। हम यह नहीं समझ रहे हैं कि हम वीतराग के मार्ग पर कहां जा रहे हैं। आज हमारी वाणी सत्य की जगह झूठ की प्रशंसा करने में लगी है। प्रभु तो वीतरागी मार्ग पर चले हुए थे। प्रभु के उस स्वघोषित शिष्य ने भी अपना अलग पंथ बना लिया था। वह साधारण व्यक्ति नहीं था। कहते हैं भगवान महावीर के डेढ़ लाख अनुयायी थे। उस समय गोसाला के दस लाख अनुयायी थे। वह भी अपने आप में बड़ी शख्सियत था।

उन्होंने कहा अपना वर्चस्व बनाने के लिए गौशाला ने महावीर को टारगेट बनाया। लेकिन वे शुद्ध लेश्या के साथ चमक रहे थे। उनका साधना क्षेत्र, आभामंडल शुद्ध था। जो उनके आभामंडल में पहुंच जाते, वे भीतर से सकारात्मक हो जाते थे। गुरुदेव आनन्द ऋषिजी का आभामंडल भी ऐसा ही था। जो उत्तेजित होकर उनके पास आता था, वह शांत हो जाता था। परमात्मा के भीतर रहे हुए करुणा, वात्सल्य के प्रभाव से जो उनके पास जाता था, वह सकारात्मकता से भर जाता था। उनकी करुणा, वात्सल्य से तन-मन, आत्मा संचित हो जाते थे। उनके वचन प्रत्येक के मन को आश्वस्त कर देते थे। उनके वचन, शब्द अलग-अलग आभा लिए हुए है। वे सबको समाधान देते थे। वे सबके मन को आकर्षित करने वाले थे। उनका ज्ञान सबके भीतर ताजगी पैदा कर देता था। यह स्तुति समृद्धि प्राप्त करने में सहायक है। परमात्मा की स्तुति जीवन में सत्य के प्रकाश की लहरियां पैदा करने वाली है।

पांच अक्टूबर को युवाचार्य भगवंत का जन्मोत्सव मनाया जायेगा। पूना, लोनावला, इचलकरंजी, औरंगाबाद, बालाघाट, नीदरलैंड्स, मुंबई, वडगांव आदि अनेक क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। जीवन पुनमिया ने अपने विचार व्यक्त किए। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री नाकोड़ा जैन युवक मंडल के तत्वावधान में आर एस पुरम स्थित नेहरु विद्यालय स्कूल के मैदान में खेले जाने वाले प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। क्रिकेट मैच के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कोयम्बटूर के सहायक कलेक्टर अंकित कुमार जैन का श्री नाकोड़ा युवक मंडल के द्वारा तिलक, माला, शॉल और प्रतीक चिन्ह के द्वारा अभिनंदन किया गया। युवक मंडल के अध्यक्ष विकास धारीवाल ने कहा कि मैं आभार व्यक्त करता हूं मंडल के सभी सदस्यों का जिनके पुरुषार्थ से यह क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन आज हमारे बीच में होने जा रहा है। हम विशेष आभार व्यक्त करते हैं उन सभी लाभार्थियों का जिनके सहयोग से यह टूर्नामेंट सार्थक होना मुश्किल है आपने हमारे युवक मंडल के खिलाड़ियों की भावनाओं का जो सम्मान किया हम आपका तहे दिल से हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

युवक मंडल के सचिव विकास भंसाली ने क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में पधारे नाकोड़ा ओसवाल जैन ट्रस्ट के सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में नाकोडा जैन ओसवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर बाफना ने सबका स्वगत किया। सब लाभार्थियों का नाकोडा जैन युवक मंडल द्वारा सम्मान किया गया।

महासंघ द्वारा सामूहिक क्षमापना एवं अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। महासंघ द्वारा आयोजित सामूहिक क्षमापन एवं तपस्वी अभिनन्दन समारोह कोयम्बटूर में विराजित चारित्र आत्माओं की पावन निश्रा तेरापंथ भवन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रवीणकुमार टाटिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं उपकलेक्टर अंकितकुमार जैन विशेष अतिथि थे। महासंघ अध्यक्ष भवरलाल कोठारी ने स्वागत उदबोधन दिया। इसी आयोजन में कोयम्बटूर जैन समाज की पता एवं टेलीफोन निर्देशिका का विमोचन प्रवीणकुमार टाटिया, अंकित कुमार जैन, जैन महासंघ के अध्यक्ष भवरलाल कोठारी, सचिव गुलाबचन्द मेहता द्वारा किया गया।

अतिथियों ने कोयम्बटूर जैन समाज की एकता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकारी स्तर पर जैन समाज के सभी कार्यों में सम्पूर्ण सहयोग करने का भरोसा दिया। श्रीसंघ की सहभागिता से आयोजन बेहद सफल रहा।

सभी चारित्र आत्माओं ने कार्यक्रम मे पधारकर क्षमापना एंव जैन एकता पर सारगर्भित उदबोधन दिया। कार्यक्रम में 11 एवं 11 उपवास से ऊपर की तपस्या, सिद्धितप, वर्षीतप करने वाले तपस्वियों एवं दानदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लाभार्थी परिवारों के सौजन्य से किया गया। 100 तपस्वियों का महासंघ की तरफ से बहुमान किया गया। विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष देवीचन्द मांडोत एवं तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीरचन्द भण्डारी का आयोजन में विशेष सहयोग रहा। कार्यसमिति के सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में उलेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सचिव गुलाबचन्द मेहता ने किया।

किम्सहेल्थ अस्पताल नागरकोइल के शुभारंभ के साथ क्वालिटी केयर ने किया तमिलनाडु में विस्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्वालिटी केयर इंडिया लिमिटेड (क्वालिटी केयर), जो केयर हॉस्पिटल्स और किम्सहेल्थ का संचालन करती है, ने 210 बेड्स वाले क्वाटरनरी और टर्सियरी केयर अस्पताल किम्सहेल्थ नागरकोइल के उद्घाटन के साथ तमिलनाडु में अपने रणनीतिक प्रवेश की घोषणा की। उद्घाटन समारोह में तमिलनाडु सरकार के उद्योग, निवेश, प्रोमोशन एवं वाणिज्य मंत्री टी.आर.बी राजा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा. सुब्रमण्यम और तमिलनाडु के दुग्ध एवं डेयरी विकास मंत्री मनो थंगराज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

किम्सहेल्थ केरल में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाने के बाद अब नागरकोइल में अपनी उच्च-गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने की राह पर है। किम्सहेल्थ के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. आई. सहदुल्ला ने कहा, तमिलनाडु में हमारा विस्तार एक स्वाभाविक प्रगति है क्योंकि हमारा लक्ष्य एक बड़े समुदाय को सेवा प्रदान करना है। क्वालिटी केयर के समर्थन से, हम विश्व स्तरीय नैदानिक प्रोटोकॉल और नैतिकता मानकों के साथ व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखेंगे।

'किम्सहेल्थ नागरकोइल' एक अत्याधुनिक 210-बेड्स वाला क्वाटरनरी और टर्सियरी केयर अस्पताल है और इस क्षेत्र का एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्र बनने को तैयार है। एक लीनियर एक्सेलरेटर और आधुनिक कैथ लैब जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस यह अस्पताल मल्टीस्पेशलिटी और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं की एक विस्तृत रेंज उपलब्ध कराता है और उन्नत नैदानिक परिणाम प्राप्त करने को प्राथमिकता देता है। अस्पताल स्थानीय आबादी की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करते हुए मल्टीऑर्गन ट्रांसप्लांट, व्यापक कैंसर देखभाल, आर्थोपेडिक्स, ट्रॉमा और कार्डियक साइंसेज सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराएगा।

क्वालिटी केयर के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर वरुण खन्ना ने कहा, हम असाधारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और अपने रोगियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के अपने मिशन को जारी रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हम अब भारत के आठवें राज्य में अपना विस्तार कर रहे हैं।

किम्सहेल्थ नागरकोइल के शुभारंभ के साथ हम गुणवत्ता देखभाल को महत्व देते हुए देश के शीर्ष हेल्थकेयर चेन में अपना नाम दर्ज कराने के सपने को साकार करने की राह पर अग्रसर हैं। हम व्यापक सेवाएं और अधिक रोगी-केंद्रित उपागम उपलब्ध कराने के लिए उत्साहित हैं जो स्थानीय आबादी की विविध स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करेगा।

डॉ. दिलीप धींग को पारदर्शी साहित्य सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय जैन साहित्य संगम का राष्ट्रीय अधिवेशन हाल ही लोढ़ा धाम, मुंबई में हुआ। अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग को पारदर्शी साहित्य सम्मान (2024) से सम्मानित किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र शासन में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, साहित्य संगम की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजू लोढ़ा, डॉ. लोकेश मुनि सहित देशभर से बड़ी संख्या में जुटे कवि और साहित्यकार उपस्थित थे। यह राष्ट्रीय सम्मान पारदर्शी फाउंडेशन, उदयपुर की ओर से डॉ. धींग की सतत, सुदीर्घ व उत्कृष्ट साहित्यिक सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। अध्यक्ष जगदीप जैन हर्षदर्शी ने कहा कि डॉ. धींग साहित्य मनीषी हैं। साहित्य के क्षेत्र में उनके बहुआयामी अवदान हैं। इंदुबाला हर्षदर्शी ने बताया कि यह सम्मान देहदानी कवि छंदराज पारदर्शी की स्मृति में दिया जाता है।

इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. दिलीप धींग के कहा कि प्राकृत भाषा ने भारत में भाषाई लोकतंत्र की प्रतिष्ठा की है। भाषागत अहिंसा में भी प्राकृत का बुनियादी योगदान है। डॉ. धींग ने साहित्यिक घालमेल पर चिंता व्यक्त की एवं लेखन में प्रमाणिकता की प्रेरणा दी। अधिवेशन के अन्य सत्रों में जैन साहित्य संगम, तमिलनाडु को श्रेष्ठ शाखा एवं शाखाध्यक्ष सीए गौतमचंद बोहरा को श्रेष्ठ सदस्य सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त मंत्री अमित मरडिया, अलंकार आच्छा, गौतम एवं रमेश बोहरा को साहित्यिक योजनाओं में विशेष अनुदान के लिए सम्मानित किया गया। चेन्नई के गौतमचंद बोहरा और कपूरचंद सेठिया की पुस्तकों का विमोचन हुआ।

आसक्ति के त्याग से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट स्थित जैन भवन में साध्वी श्री राजमती जी महाराज सा ने अपने प्रवचन में कहा कि आसक्ति के त्याग से ही मनुष्य विरक्त होकर मोक्षगामी बन सकता है। उन्होंने कहा कि मोक्षगामी बनने के लिए मनुष्य को जप, तप और दान की आवश्यकता होती है। साध्वीश्री ने कहा कि बार-बार ठोकर खाने के बावजूद भी यदि व्यक्ति को ज्ञान की प्राप्ति नहीं प्राप्त होता है तो उसका जीवन व्यर्थ है। इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य जी रहा है लेकिन केवल उसी व्यक्ति का जीवन सार्थक हैं जिसे जीने की कला प्राप्त कर ली है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य हैं कि हमें आर्य देश, उच्च कुल और स्वस्थ शरीर प्राप्त हुआ है लेकिन इसके बावजूद भी यदि मनुष्य अपने जीवन को सही दिशा में नहीं ले जा रहा है वो उसका जीवन व्यर्थ है। विश्व में सब से पहले मानवीय सभ्यता के जनक माने जाने वाले भरत के जीवनकाल का वर्णन करते हुए साध्वी विनय श्री जी महाराज ने कहा कि मनुष्य भी बाहुबली की तरह अहंकार, क्रोध और चाटुकारिता को समाप्त कर अपना जीवन सफल बना सकता हैं। साहूकार पेट संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द खिवसरा भी धर्मसभा में उपस्थित थे। संघ के महासचिव डॉ. संजय पिन्चा ने किया।

दशहरा महोत्सव में महावत आदि को भोजन कराया

मैसूरु। शहर की हैल्पिंग हैंड्स जैन यूथ आर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में मैसूरु महल परिसर में दशहरा महोत्सव में भाग लेने आए हाथियों के महावत, कावड़ियों, वन विभाग के अधिकारियों को सांसद यदुवीर श्रीकृष्णदत्त चामराजा वाडियार की उपस्थिति में दोपहर का भोजन करवाया गया।

'एक शाम मां ज्वालादेवी के नाम' जागरण 13 अक्टूबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट क्षेत्र के तुलसीगम स्ट्रीट में स्थित राजेश्वर भवन में ज्वालादेवी नवयुवक मंडल चेन्नई के तत्वावधान में 13 अक्टूबर को एक शाम जगतजननी कुलदेवी श्री ज्वाला माताजी के नाम विशाल वार्षिक भक्ति जागरण का आयोजन होगा। कार्यक्रम को लेकर श्री ज्वालादेवी नवयुवक मंडल की रामदेव भवन में रविवार को बैठक आयोजित कर निर्णय लिया गया। मंडल के सहसचिव शंकरलाल रायपुरिया ने बताया कि इस वार्षिक भक्ति जागरण में राजस्थान के प्रसिद्ध भजन कलाकार प्रवीण पुरी एण्ड पार्टी सिंवास (पाली) द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार भजनों कि प्रस्तुति दी जाएंगी। माताराणी का आकर्षण दरबार सजाया जाएगा तथा ज्योत प्रज्वलित कि जाएगी। भक्ति जागरण कार्यक्रम से पूर्व 101 कन्याओं को भोजन करवाकर उन्हें श्रंगार कि वस्तुएं व उपहार दिया जायेगा भक्ति जागरण में आगामी वार्षिक भक्ति जागरण के चढ़ावों कि बोलियां लगाई जाएगी। जिसका लाभ सिर्फ वशिष्ठ गौत्रीय राजपुरोहित जागरवाल परिवार कि ले सकेंगे। कार्यक्रम को लेकर विभिन्न कार्यों हेतु कमेटियां गठित कर जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में शंकरलाल रायपुरिया, हिम्मतसिंह जसनगर, केवलचंद विराणा, प्रकाश कुमार विराणा, हेमराज विराणा, आशुसिंह धाणसा, किशोरसिंह डोणी रेवतड़ा, भंवरसिह डकातरा, सांवलाराम आसाणा, थानसिंह धाणसा, रामनिवास चम्पाखेडी, गणेशमल धाणसा, गोपालसिंह मोदरान आदि मौजूद थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.